twitter.com/divyadelhi facebook.com/divyadelhi infodivyadelhi@gmail.com Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DELHI/2013/54397

दिव्य दिल्ली

divyadelhi.com | गुरूवार, 24 अप्रैल, 2025 | वर्ष: 12, अंक: 167, पृष्ठ: 08 | ₹ 05/- | दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

पहलगाम आतंकी हमले में पाकिस्तान का हाथ

भारत ने लिया निर्णय: पाकिस्तान में बंद होगा भारतीय दूतावास, सिंधु जल समझौता रोका गया, विदेश मंत्रालय का बयान

पहलगाम आतंकी हमले के जिम्मेदारी तीन आतंकियों का स्केच जारी किया गया। आतंकियों की जानकारी देने वाले को 20 लाख का इनाम, जम्मू-कश्मीर पुलिस की घोषणा

पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए पर्यटकों को पुष्पांजलि अर्पित करते हुए गृहमंत्री अमित शाह।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में मारे गए 26 लोगों के परिजनों और हमले में बचे लोगों से मुलाकात की। इस दौरान वे भावुक नजर आए।

जम्मू/पहलगाम/नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में हुए आतंकी हमले के बाद देश में उबाल है। सुरक्षा एजेंसियां दहशतगर्दों की तलाश में जुटी है। हेलीकॉप्टर, ड्रोन से आतंकियों की तलाश की जा रही है। इस बीच, आतंकी हमले पर नया अपडेट आया है। जानकारी मिली है कि पहलगाम हमले में दो पाकिस्तानी दहशतगर्द भी शामिल थे। उनके साथ में दो स्थानीय आतंकी भी थे। अब तक चार आतंकियों के बारे में जानकारियां सामने आई हैं। सुरक्षा एजेंसियों ने हमला करने वाले तीन आतंकियों के स्केच भी जारी किए हैं। बायसरन घाटी में मंगलवार को आतंकी हमले में 26 पर्यटकों की मौत हो गई, जबकि 17 लोग पर्यटक घायल हैं। आतंकियों ने पर्यटकों को निशाना बनाते हुए गोलीबारी की। आतंकी हमले के बाद बुधवार सुबह से सेना से लेकर एनआईए, पुलिस और अन्य एजेंसियां अलर्ट मोड में हैं। ड्रोन और हेलिकॉप्टर से चप्पे-चप्पे पर निगरानी की जा रही है। साथ ही आतंकियों की तलाश की जा रही है। जम्मू कश्मीर से दिल्ली तक हाई अलर्ट जारी है। बायसरन घाटी में हुए हमले में शामिल दो स्थानीय आतंकियों की पहचान कर ली गई है। दो पाकिस्तानी आतंकियों की भी पहचान हुई है। मंगलवार को आतंकियों ने करीब 20 मिनट तक एके-47 से गोलीबारी की थी। स्थानीय आतंकियों के नाम आदिल अहमद ठाकुर और आशिफ शेख बताए जा रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, आदिल ठाकुर लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा हुआ बताया जा रहा है। आदिल गुरी, बिजबेहड़ा का रहने वाला बताया जा रहा है।

गृह मंत्री अमित शाह से मिलकर रो पड़े परिजन

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में मारे गए 26 लोगों के परिजनों और हमले में बचे लोगों से मुलाकात की। इस दौरान वे भावुक नजर आए। इसके साथ ही उन्होंने आतंकियों को चेतावनी भी दी। उन्होंने कहा कि भारत आतंक के आगे नहीं झुकेगा। आतंकी हमले में अपनों को खोने का दर्द हर भारतीय को है। इस दुख को शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता। पहलगाम के आतंकी हमले में अपनों को खोने का दर्द हर भारतीय को है। इस दुःख को शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता। अमित शाह ने पुलिस नियंत्रण कक्ष (पीसीआर) में एक समारोह में मृतकों के ताबूतों पर पुष्पांजलि अर्पित की। भारी मन से पहलगाम आतंकी हमले के मृतकों को अंतिम श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। मैं अपने इन सभी परिवारों और पूरे देश को विश्वास दिलाता हूं कि बेगुनाह मासूम लोगों को मारने वाले इन आतंकियों को बिल्कुल बख्शा नहीं जाएगा। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद मंगलवार रात को ही केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह श्रीनगर पहुंच गए थे। यहां उन्होंने जम्मू-कश्मीर के उप राज्यपाल मनोज सिन्हा, सीएम उमर अब्दुल्ला समेत सेना और रक्षा विभाग के प्रमुख अधिकारियों के साथ बैठक की थी।

झकझोर देने वाली तस्वीरें, रूला देने वाली आपबीती

हरियाणा के लेफ्टिनेंट विनय नरवाल से लिपटकर रो पड़ी पत्नी। करनाल के लेफ्टिनेंट विनय नरवाल की नवविवाहित पत्नी उनकी पार्थिव देह से लिपटकर रो पड़ी। विनय का शव करनाल लाने से पहले दिल्ली एयरपोर्ट पर लाया गया था। "पत्नी हिमांशी ने विनय के लिए कहा- आई एम प्राउड ऑफ यू (मुझे आप पर गर्व है), हिमांशी ने विनय को सैल्यूट करते हुए जय हिंद कहा"

पहलगाम हमला: पाकिस्तान से रिश्ते समाप्त, सिंधु जल समझौता निलंबित

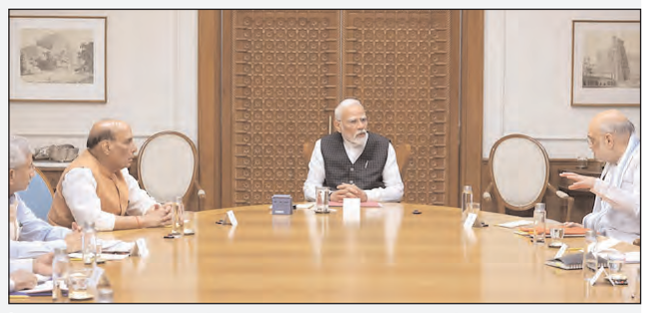

नई दिल्ली। दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद सीसीएस की बैठक में कई बड़े फैसले लिए गए हैं। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए इसकी जानकारी दी। मिस्री ने कहा, आज शाम प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीएस) की बैठक हुई। सीसीएस को पहलगाम में मंगलवार को हुए आतंकवादी हमले के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई, जिसमें 25 भारतीय और एक नेपाली नागरिक मारे गए थे। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा, इस आतंकवादी हमले की गंभीरता को समझते हुए सीसीएस ने निम्नलिखित उपायों पर निर्णय लिया-

1960 की सिंधु जल संधि को तत्काल प्रभाव से स्थगित रखा जाएगा, जब तक कि पाकिस्तान विश्वसनीय और अपरिवर्तनीय रूप से सीमा पार आतंकवाद के लिए अपने समर्थन को त्याग नहीं देता। एकीकृत चेक पोस्ट अटारी को तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया जाएगा। जो लोग वैध तरीके के साथ सीमा पार कर चुके हैं, वे 1 मई 2025 से पहले उस मार्ग से वापस आ सकते हैं। पाकिस्तानी नागरिकों को सार्क वीजा छूट योजना के तहत भारत की यात्रा करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। पाकिस्तानी नागरिकों को अतीत में जारी किए गए किसी भी वीजा को रद्द माना जाएगा। रद्दएर वीजा के तहत वर्तमान में भारत में मौजूद किसी भी पाकिस्तानी नागरिक के पास भारत छोड़ने के लिए 48 घंटे हैं।

हिमांशी को गले लगाकर भावुक हुईं दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता

नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर में पहलगाम आतंकी हमले में शहीद हुए भारतीय नौसेना के लेफ्टिनेंट विनय नरवाल का पार्थिव शरीर बुधवार को दिल्ली पहुंचा। इस दौरान दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने श्रद्धांजलि दी। वहीं, सीएम रेखा गुप्ता ने लेफ्टिनेंट विनय नरवाल की पत्नी हिमांशी को गले से लगाकर ढांढस बंधाया। विनय और हिमांशी के परिवार वाले भी भावुक हो गए।

हिमांशी ने अपने पति को दी भावभीनी विदाई

वहीं, पत्नी हिमांशी ने अपने पति को भावभीनी विदाई दी। इस दौरान हिमांशी को देखकर हर किसी की आंखें नम हो गईं। दोनों की शादी 16 अप्रैल को ही हुई थी। बताया गया कि दोनों हनीमून मनाने के लिए जम्मू गए थे। लेफ्टिनेंट विनय नरवाल की पत्नी हिमांशी ने रोते हुए कहा कि वो जहां भी रहे खुश रहें, मैं हमेशा वो काम करूंगी जिस पर उन्हें मुझ पर गर्व हो। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लेफ्टिनेंट विनय नरवाल के पार्थिव शरीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। लेफ्टिनेंट विनय नरवाल पहलगाम आतंकी हमले में शहीद हो गए थे।

उनके पार्थिव शरीर को हरियाणा के करनाल ले जाया जाएगा। बता दें कि जम्मू में आतंकियों ने मंगलवार दोपहर प्रसिद्ध पर्यटन स्थल पहलगाम के बैसरन की वादियों में सुकून के पल बिताने आए पर्यटकों को घूम-घमकर करीब से गोलियां मारीं। इसमें 28 लोगों की मौत और 24 से अधिक घायल हो गए। मृतकों में इजरायल व इटली के दो विदेशी पयर्टकों के साथ देश के अन्य राज्यों के सैलानी और स्थानीय लोग भी शामिल हैं।

सैन्य सम्मान के साथ लेफ्टिनेंट विनय नरवाल का अंतिम संस्कार

सीएम नायब सिंह सैनी ने दी श्रद्धांजलि

सीएम बोले- हरियाणा सरकार परिवार के साथ खड़ी, हमला करने वालों के खिलाफ होगी सख्त कार्रवाई

करनाल

दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में आंतकियों के हमले में जान गंवाने वाले नौसेना लेफ्टिनेंट विनय नरवाल का बुधवार को करनाल की माडल टाउन शिवपुरी में सैन्य सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम संस्कार में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भी पहुंचे और विनय नरवाल को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि लेफ्टिनेंट विनय नरवाल के परिवार के साथ हरियाणा सरकार खड़ी है। हमला करने वाले के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस मौके पर विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण, विधायक जगमोहन आनंद, विधायक योगेंद्र राणा, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली, पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा सहित विभिन्न राजनैतिक दलों तथा धार्मिक-सामाजिक संस्थाओं से जुड़े बड़ी संख्या में लोगों ने अंतिम संस्कार में भाग लिया और श्रद्धांजलि अर्पित की। लेफ्टिनेंट विनय नरवाल का तिरंगे में लिपटा पार्थिव शरीर दिल्ली हवाई अड्डे से नौसेना की एंबूलेंस में करनाल लाया गया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण, नौ सेना अधिकारियों व अन्य जन प्रतिनिधियों ने शिव पुरी में उनके पार्थिव शरीर पर पुष्प चक्कर अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। विनय की बहन ने मुखाग्नि दी। इस मौके पर नौ सेना की ओर से सैन्य सलामी दी गई। भारत माता के जयकारों के साथ लेफ्टिनेंट विनय नरवाल का अंतिम संस्कार किया गया।

कायरतापूर्ण हमला, मानवता को पहुंचाया नुकसानः मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने लेफ्टिनेंट विनय नरवाल को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि यह कायरतापूर्ण हमला किया गया है।

विपक्ष सरकार के साथ

नई दिल्ली

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को कहा कि उन्होंने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए भयावह आतंकी हमले के संबंध में गृह मंत्री अमित शाह, जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष तारिक कर्रा से बातचीत की है। उन्होंने कहा कि इस हमले की स्थिति की ताजा जानकारी ली गई है। राहुल गांधी अभी अमेरिका के दौरे पर हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा, "पीड़ित परिवारों को इंसाफ मिलना चाहिए और हम सबका पूरा समर्थन उनके साथ है।" उन्होंने हमले को दिल दहलाने वाला और कायरतापूर्ण बताते हुए इसकी कड़ी निंदा की। कांग्रेस ने सरकार से की जवाबदेही की मांगः कांग्रेस पार्टी ने मंगलवार को सरकार से इस हमले की ज़िम्मेदारी लेने और स्थिति सामान्य होने के खोखले दावों से बचने की मांग की। पार्टी ने एक सर्वदलीय बैठक बुलाने की भी मांग की, ताकि राजनीतिक दलों को विश्वास में लिया जा सके और भविष्य की रणनीति बनाई जा सके।

आतंक के आकाओं को मुंहतोड़ जवाब देंगे: रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

नई दिल्ली

पहलगाम हमले के बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आतंकियों को सीधे ललकारते हुए कहा कि नापाक साजिश रचने वालों को ऐसा जवाब दिया जाएगा कि दुनिया देखेगी। भारत ऐसे हमलों से कतई नहीं डरेगा और हम पर्दे के पीछे छिपे लोगों को भी मुंहतोड़ जवाब देंगे। उन्होंने कहा कि आतंक के खिलाफ जीरो टॉलरेंस के चलते भारत इस हमले की साजिश की तह तक जाएगा और हम जोरदार तरीके से जवाब देंगे। रक्षा मंत्री बुधवार शाम को नई दिल्ली में 'अर्जन सिंह स्मृति व्याख्यान' को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कल पहलगाम में धर्म को निशाना बनाते हुए आतंकवादियों के कायरतापूर्ण हमले में हमारे देश ने अनेक निर्दोष नागरिकों को खोया है। इस घोर अमानवीय कृत्य ने हम सभी को गहरे शोक और दर्द में डुबो दिया है। उन सभी परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए उन्होंने इस दुखद समय में दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। भारत के दृढ़ संकल्प को दोहराते हुए उन्होंने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ हमारी जीरो टॉलरेंस की पॉलिसी है। भारत का एक-एक नागरिक इस कायरतापूर्ण हरकत के खिलाफ एकजुट है। उन्होंने देशवासियों को आश्वस्त करते हुए कहा कि इस घटना के मद्देनजर भारत सरकार हर वो कदम उठाएगी, जो जरूरी और उपयुक्त होगा। हम सिर्फ उन्हीं लोगों तक नहीं पहुंचेंगे, जिन्होंने इस घटना को अंजाम दिया है। हम उन तक भी पहुंचेंगे, जिन्होंने पर्दे के पीछे बैठकर हिंदुस्तान की सरजमीं पर ऐसी नापाक हरकतों की साजिशें रची हैं। भारत पुरानी सभ्यता वाला इतना बड़ा देश है, जिसे ऐसी किसी भी आतंकी गतिविधियों से डराया नहीं जा सकता। ऐसी हरकतों का जवाब इसके जिम्मेदार लोगों को आने वाले कुछ ही समय में जोरदार तरीके से नजर आएगा कि दुनिया देखेगी।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने यह भी कहा कि भारत की वायुसेना देश की सुरक्षा में तत्पर है, उसे देखकर हर भारतवासी निश्चिन्त रहता है। हमें इस बात का संतोष रहता है कि आपकी छाया में देश पूरी तरह सुरक्षित है। भारतीय वायु सेना के मार्शल अर्जन सिंह जी अपने दौर के एक दूरदर्शी सैन्य नेता थे, उनका दृष्टिकोण आज भी प्रासंगिक है। आज भी वह भारतीय वायुसेना के लिए और हमारे युवाओं के लिए किसी प्रेरणा से कम नहीं है। उनकी जीवनी आपके लिए बहुत प्रेरक है, जो आने वाली कई उपलब्धियों को प्रेरित करेगी। इतिहास में ऐसे बहुत कम लोग होते हैं, जो इतिहास का हिस्सा भी होते हैं और इतिहास का निर्माण भी करते हैं।

तंगमर्ग में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़

श्रीनगर

कुलगाम के तंगमर्ग में बुधवार की शाम सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हो गई। अब गोलीबारी बंद हो गई है। तलाशी अभियान जारी है। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बलों ने कुलगाम जिले के तंगमर्ग इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद घेराबंदी कर तलाशी अभियान चलाया। आतंकवादियों द्वारा सुरक्षाकर्मियों पर गोलीबारी की गई, जिसका जवानों ने मुंहतोड़ जवाब दिया।अधिकारियों ने बताया कि गोलीबारी में अब तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। उन्होंने कहा कि विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है। इससे पहले कल यानि मंगलवार को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों ने पर्यटकों पर अंधाधुंध गोलियां बरसा कर 26 लोगों की नृशंस हत्या कर दी। सेना की वर्दी में आए दहशतगर्दों ने पहलगाम की बायसरन घाटी में पर्यटकों से पहले उनका धर्म पूछा, परिचय पत्र देखे और फिर हिंदू हो कहकर गोली मार दी।

पहलगाम हमला : बदले की तैयारी,सुरक्षा बलों ने जारी किए आतंकवादियों के स्केच और तस्वीरें

सूत्रों के अनुसार, आतंकियों ने हमले से पहले कुछ स्थानीय लोगों की मदद से इलाके की रेकी भी की थी।

एजेंसी

श्रीनगर । पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर सुरक्षा बलों ने बुधवार को कुछ संदिग्ध आतंकियों की तस्वीरें और स्केच जारी किए हैं। इस हमले में 26 नागरिकों की जान चली गई थी और कई लोग घायल हो गए थे। सुरक्षा बलों के अनुसार, इस हमले में तीन आतंकवादियों की पहचान आसिफ फूजी, सुलेमान शाह और अबू तल्हा के तौर पर की गई है।

ये आतंकी 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' (टीआरएफ) नाम के आतंकी संगठन से जुड़े हैं, जो कि प्रतिबंधित संगठन लश्कर-ए-तैयबा की एक शाखा है। इन लोगों ने पहलगाम से 6 किलोमीटर दूर बसे बैसरन में घूमने आए पर्यटकों पर अचानक गोलियां चला दीं। सुरक्षा बलों ने बताया कि पांच से छह आतंकी सेना जैसे कपड़े और कुर्ता-पायजामा पहनकर आस-पास के घने जंगल से आए थे और उनके पास एके-47 जैसे खतरनाक हथियार थे। खुफिया जानकारी के मुताबिक, इस हमले में पाकिस्तान से आए आतंकवादी भी शामिल थे जो कुछ ही दिन पहले घाटी में घुसे थे।

सुरक्षा एजेंसियों ने लश्कर-ए-तैयबा के बड़े आतंकी सैफुल्लाह कसूरी उर्फ़ खालिद को इस हमले का

मुख्य साजिशकर्ता बताया है। हमले के बाद सुरक्षाबलों ने बड़ा तलाशी अभियान शुरू कर दिया है और जंगलों में छिपे आतंकियों को ढूंढने के लिए हेलीकॉप्टर भी लगाए गए हैं। जांच में यह भी पता चला है कि आतंकियों ने बहुत उन्नत हथियार और संचार उपकरण इस्तेमाल किए, जिससे साफ है कि उन्हें बाहर से मदद मिल रही थी। कुछ आतंकियों ने हेलमेट पर लगे कैमरे और बॉडी कैमरों से पूरे हमले की रिकॉर्डिंग भी की। उनके पास सूखे मेवे और दवाइयां भी थीं, जिससे साफ है कि वे पूरी तैयारी के साथ आए थे।

सूत्रों के अनुसार, आतंकियों ने हमले से पहले कुछ स्थानीय लोगों की मदद से इलाके की रेकी भी की थी। चश्मदीदों का कहना है कि दो आतंकी पश्तो भाषा बोल रहे थे, जो दर्शाता है कि वे पाकिस्तानी थे। वहीं, दो स्थानीय आतंकी आदिल और आसिफ बताए जा रहे हैं, जो बिजबेहरा और त्राल के रहने वाले हैं।

हमले की एकदम सही तैयारी और सटीक योजना से यह लगता है कि इसे ऐसे व्यक्तियों ने अंजाम दिया है जिन्हें इसकी अच्छी ट्रेनिंग मिली हुई है, न कि कोई सामान्य स्थानीय व्यक्ति। जांच एजेंसियों ने यह भी पाया है कि इन आतंकियों के डिजिटल फुटप्रिंट पाकिस्तान के मुजफ्फराबाद और कराची के सुरक्षित ठिकानों से जुड़े हुए हैं, जिससे सीमा पार आतंकी साजिश की पुष्टि होती है।

अमेरिकी उप राष्ट्रपति जेडी वेंस का ताज नगरी आगरा में जोरदार स्वागत

एजेंसी

आगरा। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस बुधवार की सुबह परिवार संग ताजमहल का दीदार करने पहुंचे। ताजमहल परिसर में पहुंचकर वेंस ताज की खूबसूरती पर मंत्रमुग्ध नजर आए। पत्नी और बच्चों के साथ इस

दौरान उन्होंने फोटो खिंचाए और गाइड से इतिहास की जानकारी ली। इससे पूर्व जयपुर से विमान द्वारा खेरिया हवाई अड्डे के तकनीकी क्षेत्र में उतरने पर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और एयर कमोडोर ने उनकी अगवानी की। उनका विमान सुबह करीब दस बजे लैंड हुआ। उपराष्ट्रपति वेंस उनकी पत्नी उषा, बच्चों के साथ आए। खेरिया एयरपोर्ट से वेंस गाड़ियों के काफिले के साथ होटल मुगल की ओर रवाना हो गये। कुछ देर बाद वे परिवार के साथ फतेहाबाद रोड स्थित सेल्फी पॉइंट से होकर उपराष्ट्रपति ताजमहल का दीदार करने पहुंचे। अमेरिकी उप राष्ट्रपति के दौरे के मद्देनजर खेरिया एयरपोर्ट से लेकर ताजमहल तक के मार्ग पर यातायात रोक दिया गया था। सुरक्षा व्यवस्था के भी चाक-चौबंद इंतजाम किए गए थे। हर चप्पे-चप्पे पर सुरक्षाकर्मी तैनात थे। बीस आईपीएस और 3500 पुलिसकर्मी सुरक्षा में लगाए गए हैं। मार्ग में सांस्कृतिक आयोजनों के लिए मंच भी सजाए गए थे। मगर, जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद शोक में सांस्कृतिक आयोजन नहीं किए गए। उपराष्ट्रपति का काफिला जब एयरपोर्ट से निकला तो बच्चों ने भारत और अमेरिका के झंडे दिखाकर अभिवादन किया। वेंस और उनके परिवार को देखने के लिए सड़कों के दोनों ओर लोग जुटे। हालांकि, सुरक्षा कारणों से पुलिस ने अधिक भीड़ एकत्र नहीं होने दी। जिन रास्तों से वेंस का काफिला गुजरना था, उन्हें पूरी तरह से खाली कराया गया। वेंस चार दिन के भारत दौरे पर विगत सोमवार को दिल्ली पहुंचे थे। वे अक्षरधाम मंदिर गए, शाम को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इसके बाद जयपुर में आमेर का किला देखा। अमेरिकी उपराष्ट्रपति की अगवानी के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लखनऊ वापस लौट गये। अमेरिकी उप राष्ट्रपति के साथ स्थानीय अधिकारी बने रहे।

उरी सेक्टर में नियंत्रण रेखा पर घुसपैठ की कोशिश नाकाम, दो घुसपैठिए ढेर

श्रीनगर। उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले के उरी सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर बुधवार को घुसपैठ की कोशिश नाकाम कर दी गई। सेना ने दो आतंकवादियों को मार गिराया। यह कोशिश जम्मू-कश्मीर में नागरिकों पर सबसे घातक आतंकवादी हमले के एक दिन बाद नाकाम की गई, जिसमें अनंतनाग जिले के पहलगाम के प्रसिद्ध रिसॉर्ट के पास एक घास के मैदान में 25 पर्यटक और एक स्थानीय व्यक्ति मारे गए थे। सेना के श्रीनगर स्थित चिनार कोर ने कहा कि दो से तीन अज्ञात आतंकवादियों ने उरी नाला के पास सरजीवन के सामान्य क्षेत्र से

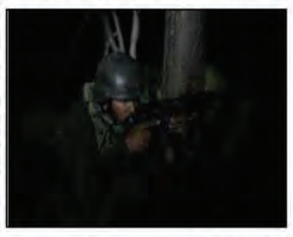

घुसपैठ की कोशिश की। एलओसी की सुरक्षा में तैनात सतर्क सैनिकों ने इस प्रयास का पता लगाया और उसे रोक दिया, जिसके बाद गोलीबारी हुई। सेना ने बताया कि भारी गोलीबारी में दो घुसपैठिए मारे गए। सेना ने कहा, आतंकवादियों के पास से भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और युद्ध संबंधी अन्य सामान बरामद किया गया है। उन्होंने बताया कि घुसपैठ रोधी अभियान जारी है।

पहलगाम आतंकी हमले की बाबा रामदेव ने की निंदा, सरकार से की सख्त कार्रवाई की मांग

हरिद्वार। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले की योग गुरु बाबा रामदेव ने कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि देश की आजादी के बाद पहली बार हिंदुओं को टारगेट कर किया गया हमला है। उन्होंने सरकार से आतंकियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि भारत को भी इजरायल और अमेरिका की तरह जवाब देना की जरूरत है। हरिद्वार में प्रेस वार्ता में बाबा रामदेव ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में कई लोगों की जान चली गई। धर्म पूछकर लोगों पर हमला किया गया। यह घटना आजाद भारत के इतिहास की सबसे बड़ी घटना है, जिसमें हिंदुओं को

टारगेट करके निशाना बनाया गया है। उन्होंने कहा कि इस घटना के पीछे गृह युद्ध भड़काने की साजिश है। आतंकियों के मनसूबे देश में लोगों के बीच आपसी नफरत पैदा करना और खून खराबा करना है। उनके मंसूबे कभी कामयाब नहीं होंगे।उन्होंने इस आतंकी घटना के पीछे पाकिस्तान का हाथ बताते हुए कहा कि भारत विरोधी ताकतें आतंकियों को फंडिंग कर रही हैं। उन्होंने भारत सरकार से मांग की कि पाकिस्तान में स्थित आतंकियों के कैंपों को ध्वस्त किया जाए। उन्होंने कहा कि हमें अमेरिका और इजरायल की तरह पाकिस्तान को जवाब देना होगा।

भारत आतंक के आगे नहीं झुकेगा : अमित शाह

दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा....पहलगाम हमले पर बोले शाह

● पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में 27 लोगों की मौत हो गई। 20 से ज्यादा लोग घायल हैं।

एजेंसी

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए नृशंस आतंकी हमले पर देशभर में रोष व्याप्त है। इस बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस हमले की कड़ी निंदा करते हुए मृतकोंको श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि भारत आतंकवाद के आगे कभी नहीं झुकेगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, 'भारी मन से पहलगाम आतंकी हमले के मृतकों को अंतिम श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। भारत आतंक के आगे नहीं झुकेगा। इस नृशंस आतंकी हमले के दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

अमित शाह ने पहलगाम हमले वाले स्थान बैसरन का किया दौरा

पहलगाम। गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को पहलगाम के बैसरन मैदान का दौरा किया, जहां पर आतंकियों ने हमला कर 27 निर्दोष पर्यटकों की जान ली थी। इस हमले ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। केंद्रीय गृह मंत्री हेलीकॉप्टर से आतंकी हमले वाली जगह पर पहुंचे और हिंसा के निशानों से भरी घास के मैदान पर उतरे। पहलगाम में घास के मैदान पर सेना के जवानों के पहुंचने के बाद इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई थी।

पहलगाम आतंकी हमला: जम्मू-कश्मीर सरकार ने मुआवजे का किया ऐलान

मृतकों के परिजनों को मिलेंगे 10 लाख

एजेंसी

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने देश को झकझोर कर रख दिया है। इस हमले में कई बेगुनाह लोगों ने अपनी जान गंवाई, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हुए। इस दुखद घटना के बाद जम्मू-कश्मीर सरकार ने पीड़ितों और उनके परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए मुआवजे की घोषणा की है।

सरकार ने मृतकों के परिजनों के लिए 10 लाख रुपये और घायलों के लिए 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने का ऐलान किया है। वहीं, मामूली रूप से घायलों के लिए 1 लाख रुपये की अनुग्रह राशि की घोषणा की गई। जम्मू-कश्मीर मुख्यमंत्री कार्यालय ने इस संबंध में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी दी। एक्स पोस्ट में लिखा गया, 'पहलगाम में कल हुए घृणित आतंकवादी हमले से मैं बहुत स्तब्ध और व्यथित हूं। निर्दोष नागरिकों के खिलाफ इस बर्बर और मूर्खतापूर्ण क्रूरतापूर्ण कृत्य का हमारे समाज में कोई स्थान नहीं है। हम इसकी कड़ी निंदा करते हैं। हम

मृतकों के प्रति शोक व्यक्त करते हैं। पोस्ट में कहा गया कि कोई भी धनराशि प्रियजनों के नुकसान की भरपाई नहीं कर सकती, लेकिन समर्थन और एकजुटता के प्रतीक के रूप में, जम्मू-कश्मीर सरकार मृतकों के परिवारों के लिए 10-10 लाख रुपये, गंभीर रूप से घायलों के लिए 2 लाख रुपये और मामूली रूप से घायलों के लिए 1 लाख रुपये की अनुग्रह राशि की घोषणा करती है। पीड़ितों को उनके घरों तक वापस ले जाने के लिए सभी व्यवस्थाएं की गई हैं। घायलों को सर्वोत्तम चिकित्सा सेवा प्रदान की जा रही है।'

पोस्ट में आगे लिखा गया, 'हम शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हैं। हम आपके दुख में शामिल हैं और इस कठिन समय में आपके साथ खड़े हैं। लेकिन आतंक हमारे संकल्प को कभी नहीं तोड़ पाएगा और हम तब तक चैन से नहीं बैठेंगे जब तक कि इस बर्बरता के पीछे के लोगों को न्याय के कटघरे में नहीं लाया जाता।

पर्यटकों पर हमले के विरोध में कश्मीर रहा बंद

एजेंसी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में हाल के वर्षों में नागरिकों पर हुए सबसे घातक आतंकवादी हमले के विरोध में बुधवार को पूरे कश्मीर में पूर्ण बंद रखा गया है। यह हमला अनंतनाग जिले के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल पहलगाम के पास एक घास के मैदान में हुआ, जिसमें 27 पर्यटकों की जान चली गई। हुर्रियत नेता और मुताहिदा मजलिस-ए-उलेमा (एमएमयू) के प्रमुख मीरवाइज उमर फारूक ने भीषण हत्याओं के विरोध में बंद का आह्वान किया था। प्रमुख व्यापार निकायों, परिवहन संघों और नागरिक समाज समूहों ने भी हड़ताल का आह्वान किया था। नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) सहित मुख्यधारा के राजनीतिक दलों ने बंद को अपना समर्थन दिया। अधिकारियों ने कहा कि श्रीनगर में सभी दुकानें, स्कूल और व्यावसायिक प्रतिष्ठान बंद रहे, जबकि सार्वजनिक परिवहन सड़कों से काफी हद तक नदारद रहा। घाटी के प्रमुख शहरों में भी लगभग पूरी तरह से बंद की खबर है। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए राजधानी के संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा बलों की भारी तैनाती देखी गई। अधिकारियों ने कहा कि व्यापक बंद के बावजूद घाटी के किसी भी हिस्से से हिंसा की कोई घटना नहीं हुई। पिछले कई वर्षों में कश्मीर में यह पहला ऐसा पूर्ण बंद है। अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 को निरस्त करने से पहले बंद एक सामान्य घटना थी, जिसे अक्सर अलगाववादी समूह कहते थे। पर्यटकों की हत्या के बाद कश्मीर में मातम छा गया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नई दिल्ली पहुंचते ही जयशंकर, डोभाल, मिस्री से मिले

'इस जघन्य कृत्य के पीछे जो लोग हैं, उन्हें न्याय के कटघरे में लाया जाएगा। उन्हें बख्शा नहीं जाएगा।'

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के मद्देनजर विदेशमंत्री डॉ. एस जयशंकर, एनएसए अजीत डोभाल, विदेश सचिव विक्रम मिस्री और अन्य अधिकारियों के साथ संक्षिप्त बैठक की है। इसके बाद वो हाई लेवल मीटिंग करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी आज सुबह ही सऊदी अरब की दो दिवसीय यात्रा को बीच में छोड़कर स्वदेश लौटे हैं। उन्होंने नई दिल्ली पहुंचते ही सबसे पहले जयशंकर आदि के साथ संक्षिप्त बैठक की। इस बैठक में और क्या-क्या चर्चा हुई,

इसका आधिकारिक विवरण अभी नहीं मिल सकता है। इस आतंकी हमले में 26 लोगों की जान गई है। इस बीच जानकारी मिली है कि वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण भी अपनी अमेरिका और पेरू की आधिकारिक यात्रा को बीच में ही समाप्त कर स्वदेश लौट रही हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर हमले की निंदा करते हुए लिखा, 'जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है, उनके प्रति मेरी संवेदनाएं। मैं प्रार्थना करता हूं कि घायल लोग जल्द से जल्द ठीक हो जाएं। प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता प्रदान की जा रही है। इस जघन्य कृत्य के पीछे जो लोग हैं, उन्हें न्याय के कटघरे में लाया जाएगा। उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। उनका नापाक एजेंडा कभी सफल नहीं होगा। आतंकवाद से लड़ने का हमारा संकल्प अडिग है और यह और भी मजबूत होगा।'

वक्फ संशोधन बिल से मुसलमान और इस्लाम की इज्जत बढ़ेगी : इन्द्रेश कुमार

● 'हमारा दृष्टिकोण हमेशा से यह रहा है कि धर्म, जाति और सम्प्रदाय से ऊपर उठकर केवल इंसानियत की सेवा करें।'

एजेंसी

लखनऊ। तीन दिवसीए दौरे पर लखनऊ आये राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय कार्यकारिणी के सदस्य इन्द्रेश कुमार ने कहा कि वक्फ संशोधन बिल वक्फ बोर्ड को माफिया से मुक्ति का पैगाम है। अभी तक वक्फ बोर्ड माफियाओं के हाथ में था। अब माफियाओं से मुक्त हो जायेगा। उन्होंने हिन्दुस्थान समाचार से विशेष बातचीत में कहा कि वक्फ संशोधन बिल आने से वक्फ बोर्ड में महिलाओं की भागीदारी बढ़ेगी। इसलिए महिला सशक्तीकरण इससे बढ़ेगा। महिला सशक्तीकरण से मुसलमान और इस्लाम की इज्जत बढ़ेगी। इन्द्रेश कुमार ने कहा कि वक्फ संशोधन बिल वेलफेयर का प्रतीक बनेगा न कि धोखेबाजी का। वक्फ संशोधन बिल आने से

मुसलमानों के साथ सौतेला व्यवहार नहीं होगा। मुसलमानों का कहना है कि वक्फ बोर्ड पर केवल सुन्नियों का कब्जा हैं। कमजोर वर्ग के मुसलमानों के लिए वक्फ बोर्ड में कुछ नहीं हैं। वक्फ खुदा के नाम से संपत्ति मानी जाती है। परन्तु संशोधन से यह तय हो गया कि खुदा के नाम से संपत्ति का कोई विवरण न होने के कारण इसका मतलब खुदा के कामकाज के साथ भी बेईमानी है। अब सब कुछ पारदर्शी होगा। खुदा के नाम से जो संपत्ति है, उसमें बेईमानी नहीं होनी चाहिए। उसका हिसाब किताब साफ सुथरा होना चाहिए। वक्फ की संपत्ति से जो इन्कम है, वह अन्य कामों से इन्कम है। उसके द्वारा सामाजिक काम होना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत वसुधवै कुटुम्बकुम वाला देश है। हम पूरी दुनिया को अपना परिवार मानते हैं । हमारा दृष्टिकोण हमेशा से यह रहा है कि धर्म, जाति और सम्प्रदाय से ऊपर उठकर केवल इंसानियत की सेवा करें, हमें यह समझने की जरुरत है कि हम सभी इन्सान हैं।

पहलगाम आतंकी हमले पर रक्षा मंत्री ने तीनों सेना प्रमुखों के साथ ढाई घंटे बैठक की

एएलएच ध्रुव हेलीकॉप्टरों को श्रीनगर, जम्मू-कश्मीर और आसपास के क्षेत्रों में उड़ान भरने की अनुमति

एजेंसी

नई दिल्ली। पहलगाम में पर्यटकों पर आतंकवादी हमले के बाद बुधवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और भारतीय वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह के साथ बैठक करके जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा स्थिति से जुड़े सभी मुद्दों पर चर्चा की। पहलगाम में आतंकी हमले के पीछे तीन संदिग्ध आतंकवादियों की पहचान करके उनके स्केच जारी किये गए हैं। आतंकवाद विरोधी अभियानों के मद्देनजर भारतीय सेना के एएलएच ध्रुव हेलीकॉप्टरों को श्रीनगर, जम्मू-कश्मीर और आसपास के क्षेत्रों में उड़ान भरने की अनुमति दे दी गई है। पहलगाम के बैसरन पर्यटक स्थल पर चार आतंकवादी मौजूद थे। उनमें से एक आदिल गुरी था, जो कथित तौर पर 2018 में पाकिस्तान से वापस आकर

फिर भाग गया था। दूसरे आतंकवादी की पहचान आसिफ शेख के रूप में हुई है। गुरी और शेख के साथ दो अन्य आतंकवादियों ने भी आतंक मचाया है, जो पाकिस्तानी नागरिक थे। लश्कर से जुड़े आतंकवादी संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए 26 पर्यटकों के पार्थिव शरीर को उनके संबंधित राज्यों में भेजने के लिए श्रीनगर एयरपोर्ट पर लाया गया है। पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकवादी हमले के बाद चल रहे आतंकवाद विरोधी अभियानों के मद्देनजर भारतीय सेना के एएलएच 'ध्रुव' एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टरों को श्रीनगर, जम्मू-कश्मीर और आसपास के इलाकों में उड़ान भरने की अनुमति दी गई है। करीब तीन माह पहले पोरबंदर में भारतीय तटरक्षक बल के एएलएच की दुर्घटना के बाद ध्रुव हेलीकॉप्टरों की उड़ान पर रोक लगा दी गई थी।

पहलगाम आतंकी घटना में संलिप्त आतंकियों पर कार्रवाई हो : तेजस्वी यादव

एजेंसी

पटना । जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुई आतंकी घटना की राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव ने कड़े शब्दों में निंदा की। उन्होंने कहा कि इस घटना में संलिप्त आतंकियों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। पटना में पत्रकारों से बातचीत में बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी ने दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जिस तरह से घटना घटी है, वह बहुत ही दर्दनाक है। ऐसा हम लोग सोच भी नहीं सकते थे कि इस तरह की घटना घट सकती है। जिस तरह से पर्यटकों पर आतंकियों ने हमला किया, वह बहुत दुखद और निंदनीय है। इस घटना में जितने लोगों की मौत हुई है, उनके प्रति हमारी श्रद्धांजलि है। हम लोग चाहते हैं कि न्याय मिले। उन्होंने आगे कहा, इस आतंकी घटना से पूरा देश मर्माहत है। हम लोग चाहते हैं कि इस घटना के पीछे जो लोग हैं, उन्हें बख्शा न जाए। पीड़ितों को न्याय जरूर मिले। इस हमले की जांच निष्पक्षता के साथ होनी चाहिए और दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि अभी तक सरकार द्वारा कोई बात कही नहीं गई है। हम लोग चाहेंगे कि जल्द से जल्द आतंकवादियों को ढेर किया जाए। हम लोग कोई राजनीति इस मसले पर नहीं करना चाहते, न होनी चाहिए। पूरा देश एकजुट है और न्याय मांग रहा है। इस घटना की जितनी भी निंदा की जाए, वह कम है।

राष्ट्रपति-उपराष्ट्रपति ने पहलगाम में आतंकवादी हमले की निंदा की

एजेंसी

नई दिल्ली।राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की। राष्ट्रपति ने एक्स पर पोस्ट किया, जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुआ आतंकवादी हमला चौंकाने वाला और दर्दनाक है। यह एक नृशंस और अमानवीय कृत्य है जिसकी स्पष्ट रूप से निंदा की जानी चाहिए। निर्दोष नागरिकों, खासकर पर्यटकों पर हमला करना बेहद भयावह और अक्षम्य है। जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है, उनके प्रति मेरी हार्दिक संवेदना है और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करती हूं। उपराष्ट्रपति ने एक्स पर पोस्ट किया, जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए भीषण आतंकवादी हमले से मैं बहुत दुखी हूं। हिंसा के ऐसे कृत्य निंदनीय हैं और इनकी कड़ी निंदा की जानी चाहिए। दुख की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं पीड़ित परिवारों के साथ हैं।

ट्रैफिक पुलिस के एएसआई को टक्कर मार कर फरार हुआ वाहन चालक धरा गया

नई दिल्ली। दक्षिण पश्चिम जिले के वसंत कुंज साउथ व जिले की एंटी स्नैचिंग सेल की संयुक्त टीम ने ट्रैफिक पुलिस के एएसआई को टक्कर मारकर फरार हुए एक कार चालक को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए चालक की पहचान हरियाणा निवासी लियाकत अली के रूप में हुई है। पुलिस ने अपराध में इस्तेमाल स्विफ्ट कार को जब्त कर लिया है। फिलहाल पुलिस आरोपित से पूछताछ कर रही है। दक्षिण पश्चिम जिले के डीसीपी सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि 29 मार्च को इंडियन स्पाइनल सेंटर अस्पताल से सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति को किसीअज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी है। पुलिस अस्पताल पहुंची तो जांच में घायल की पहचान अरविंद कुमार के रूप में हुई है। पूछताछ में घायल अरविंदने बताया कि वह दिल्ली पुलिस की ट्रैफिक यूनिट में बतौर एएसआई कार्यरत हैं। घटना वाले दिन वह महिपालपुर के पास वाहनों की जांच कर रहे थे। उसी दौरान एक कार ने उन्हें टक्कर मार दी। वसंत कुंज साउथ थाना पुलिस ने एएसआई के बयान पर मामला दर्ज किया।डीसीपी के अनुसार मामले को गंभीरता से लेते हुए स्थानीय पुलिस के अलावा जिले की एंटी स्नैचिंग सेल को लगाया गया। पुलिस टीम ने घटनास्थल के आसपास लगेसीसीटीवी फुटेज को खंगाल कर कार का नंबर निकाला और आरोपित लियाकत अली को गिरफ्तार कर लिया।

युवक की चाकू घोपकर हत्या

नई दिल्ली। शाहदरा जिले के जगतपुरी इलाके में सोमवार रात 22 साल के युवक की चाकू घोपकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नजदीकी अस्पताल के शवगृह में सुरक्षित रखवा दिया है। पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शाहदरा जिले के डीसीपी प्रशांत गौतम ने बताया कि सोमवार रात 10:39 बजे जगतपुरी इलाके में एक युवक के खून से लथपथ पड़े होने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही जगतपुरी थाना पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और घायल को हेडगेवार अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। डीसीपी ने बताया कि मृतक की पहचान जगतपुरी के बाल्मीकि बस्ती निवासी साजन कुमार के रूप में हुई है। क्राइम और फोरेंसिक टीम से घटनास्थल का निरीक्षण कराया गया है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को खंगाला जा रहा है, ताकि हत्यारे की पहचान जल्द हो सके। जांच के लिए जगतपुरी थाना पुलिस के अलावा जिले के स्पेशल स्टाफ और एएटीएस को भी लगाया गया है।

बीड़ी देने से मना करने पर दो भाइयों को चाकू से गोदा, एक ही मौत

नई दिल्ली। दक्षिण पूर्वी जिले के पुल प्रहलादपुर इलाके में को बीड़ी देने से मना करने पर हुए विवाद में दो सगे भाइयों को चाकू से गोदने का मामला सामने आया है। हमलावरों ने पीड़ितों को बचाने के लिए आए उनके दोस्त को भी चाकू मारकर घायल कर दिया। वारदात के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए। मामले की सूचना घायल के भाई ने पुलिस को दी और घायलों को नजदीकी ईएसआई अस्पताल में भर्ती किया। जहां डॉक्टरों ने घायल 21 वर्षीय सोहेब को मृत घोषित कर दिया जबकि उसके भाई मोहसिन की हालत गंभीर बनी हुई है। वह आईसीयू में भर्ती है। सूचना के बाद पुल प्रहलादपुर थाना पुलिस अस्पताल पहुंची और मृतक की मां सबुक्ता के बयान पर केस दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने प्राथमिक जांच के बाद देर रात फिरोज उर्फ मुन्ना, इम्तियाज और सौदागर खान को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपितों की निशानदेही पर दो चाकू भी बरामद किए हैं। दक्षिण पूर्वी जिले के डीसीपी रवि कुमार सिंह ने बताया कि मृतक सोहेब अपने परिवार के साथ जे ब्लॉक, प्रेम नगर, लाल कुआं पुल प्रहलादपुर इलाके में रहता था। वह लोहे के कंटेनर को कार्यालय या फिर घर में बदलने का काम करता था। परिवार में भाई 23 वर्षीय मोहसिन, मां सबुक्ता, पिता सलीम, भाई सहजाद शामिल है। बदमाशों ने मोहसिन को भी चाकू मारा है, जो अस्पताल में भर्ती है। पुलिस को दिए बयान में सोहेब की मां ने बताया कि करीब 11 बजे वह अपने घर में मौजूद थी। इसी दौरान सोहेब घर आया और उसे बताया कि मुन्ना और सनी ने उसे पास के पार्क में थप्पड़ मारा है।

थक कर लड़खड़ाती दुनिया को चाहिए भारतीयता पर आधारित मॉडलः मोहन भागवत

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि यह दुनिया दो विकल्पों की दुनिया से थक और लड़खड़ा चुकी है और तीसरे मध्यम मार्ग की तलाश में भारत की ओर देख रही है। ऐसे में हमें दुनिया को भारतीयता पर आधारित मॉडल देने होंगे। उन्होंने कहा कि औपनिवेशिक मानसिकता से दूर होने के लिए मन और विचार से भी भारतीयता को अपनाना होगा। डॉ. भागवत ने आज दिल्ली के दीनदयाल उपाध्याय मार्ग पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रकल्प अंतर राज्य छात्र जीवन दर्शन (सीईआईएल) के नवनिर्मित केंद्रीय कार्यालय 'यशवंत' का उद्घाटन किया। इसके बाद डॉ. भागवत ने बाल भवन में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया। कार्यक्रम में केंद्र और दिल्ली सरकार के मंत्रियों सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। सरसंघचालक डॉ. भागवत ने नए कार्यालय के उद्घाटन की

शुभकामना देते हुए संघ प्रेरित छात्र संगठन को अपने ध्येय वाक्य ज्ञान, शील और एकता का ध्यान कराया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी परिषद के 58 लाख कार्यकर्ता हैं। इसके बाद भी विद्यार्थी संगठन को विस्तार की दृष्टि से अभी काफी कुछ करना है। वहीं भावनात्मक एकता के अभाव को देखते हुए परिषद के लिए काफी काम बाकी है। ज्ञान एकता के भाव से पैदा होता है और भारत की सनातन परंपरा की दृष्टि एकता की ही है। इसके साथ शील होना जरूरी है, नहीं तो ज्ञान भी किसी काम नहीं आता है। उल्लेखनीय है कि यशवंतराव केलकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ता थे। उन्हें अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के वास्तुकार के रूप में जाना जाता है। 'यशवंतराव केलकर' की संगठन क्षमता की तुलना डॉ केशव बलिराम हेडगेवार से करते हुए संघ प्रमुख डॉ. भागवत ने कहा कि उनसे प्रेरणा लेते हुए कार्यकर्ताओं को काम करना चाहिए। उनके जाने के बाद हमें उनके ही जैसा कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता घटक की तरह होता है और वह सम्पूर्ण का प्रतिनिधित्व करता है। उसमें संभावना बीच रूप में मौजूद होती है। छात्र कार्यकर्ताओं को भी संगठन का प्रतिनिधि बनना चाहिए और अपने आचरण से इसके ध्येय को सार्थक करना चाहिए।

पहलगाम हमले पर सोनिया गांधी ने जताया दुख, कहा- 'पूरा देश आतंक के खिलाफ एकजुट'

एजेंसी

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए बर्बर आतंकवादी हमले ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। इस हमले में निर्दोष पर्यटकों को निशाना बनाया गया, जिसमें 26 लोगों की जान गई और कई घायल हुए। इस वीभत्स घटना पर कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने गहरा शोक और चिंता व्यक्त की है। सोनिया गांधी ने देररात एक आधिकारिक बयान जारी कर कहा कि वह इस नृशंस हमले से स्तब्ध और बेहद दुखी हैं। उन्होंने इसे कायरतापूर्ण कृत्य बताते हुए इसकी कड़ी निंदा की और कहा कि हिंसा का कोई स्थान नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा, मैं उन परिवारों के दुख को समझती हूं जिन्होंने अपने प्रियजनों को इस अमानवीय हमले में खो दिया है। मेरी गहरी संवेदनाएं उनके साथ हैं। सोनिया गांधी ने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हुए यह भी कहा कि आतंक के खिलाफ पूरा देश एकजुट है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि हमें इन विभाजनकारी ताकतों को हराने के लिए सामूहिक संकल्प और सामाजिक सहमति के

साथ आगे बढ़ना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि नागरिकों की सुरक्षा सर्वोपरि है और शांति बहाली के लिए सरकार को ठोस कदम उठाने चाहिए। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष ने आगे कहा कि यह हमला एक बार फिर इस बात की याद दिलाता है कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में किसी भी तरह की ढिलाई नहीं बरती जा सकती। देशवासी एकजुट होकर इन ताकतों को परास्त करेंगे।

दिल्ली विधानसभा की समृद्ध विरासत को लोगों तक पहुंचाने के लिए होगा लाइट एंड साउंड शो

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि विधानसभा की समृद्ध विरासत को लोगों तक पहुंचाने के लिए विधानसभा परिसर में एक भव्य लाइट एंड साउंड शो आयोजित किया जाएगा। विधानसभा के इतिहास पर एक डॉक्यूमेंट्री का भी निर्माण किया जाएगा। भविष्य में यहां एक संग्रहालय भी स्थापित किया जाएगा, जिसमें विधानसभा की समृद्ध विरासत को संरक्षित कर प्रदर्शित किया जाएगा। दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता की अध्यक्षता में एक बैठक में विशेषज्ञों और अधिकारियों ने विधानसभा भवन के संरक्षण और संवर्धन के लिए एक समग्र विकास योजना तैयार करने के लिए चर्चा की। विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि दिल्ली विधानसभा को एक जीवंत विरासत स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने सुझाव दिया कि जनता को विधानसभा परिसर के भ्रमण का अवसर प्रदान किया जाए। विशेषकर सप्ताहांत में ताकि वे अपने लोकतंत्र की ऐतिहासिक नींव से सीधे जुड़ सकें। इस पहल के तहत इंदिरा गांधी

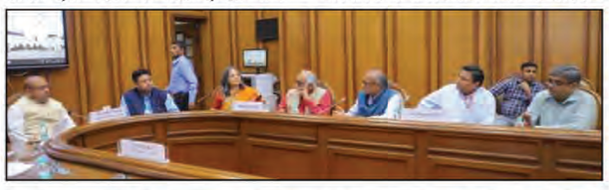

राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) तीन सप्ताह के भीतर एक अध्ययन रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा। परियोजना की प्रगति की निगरानी के लिए एक समिति का गठन किया जाएगा, जिसमें आईजीएनसीए, राष्ट्रीय अभिलेखागार, दिल्ली नगर निगम, दिल्ली विधानसभा सचिवालय तथा विभिन्न विशेषज्ञों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। बैठक में विशेषज्ञों ने सुझाव दिया गया कि आधुनिक संरक्षण तकनीकों को पारंपरिक मूल्यों के साथ जोड़ते हुए एक समग्र दृष्टिकोण अपनाया जाए, ताकि भवन की मूल संरचना की आत्मा को बरकरार रखते हुए देश-विदेश के लोगों को एक समृद्ध अनुभव प्रदान किया जा सके। बैठक में पारंपरिक स्थापत्य तकनीकों के संरक्षण की आवश्यकता पर भी बल दिया गया, जिससे हमारे पूर्वजों की कलात्मकता और शिल्प को सम्मान मिल सके। इस पहल का उद्देश्य विधानसभा परिसर को राष्ट्रीय सांस्कृतिक धरोहर के रूप में विकसित करना है, जो देश-विदेश के लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बने।इस बैठक में आईजीएनसीए के सदस्य सचिव डॉ. सच्चिदानंद जोशी, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के डीन (प्रशासन) डॉ रमेश सी गौर और राष्ट्रीय संग्रहालय के महानिदेशक डॉ. बी.आर. मणि आदि शामिल थे।

ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने वक्फ कानून निरस्त होने तक आंदोलन का ऐलान किया

एजेंसी

नई दिल्ली। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के तत्वावधान में राजधानी दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में वक्फ बचाओ सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसमें उपस्थित सांसदों, उलेमा, बुद्धिजीवियों ने एक मत से वक्फ कानून को निरस्त करने की मांग की। उनका कहना है कि यह कानून संविधान की मूल भावनाओं की अवहेलना करता है, इसलिए यह उन्हें किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं है। उनका कहना है कि जब तक इस कानून को निरस्त नहीं किया जाता है, तब तक यह आंदोलन चलेगा और देश के कोने-कोने में इस कानून के खिलाफ आवाज बुलंद की जाएगी।

वक्फ बचाओ सम्मेलन को संबोधित करते हुए ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के अध्यक्ष मौलाना खालिद सैफुल्लाह रहमानी ने कहा कि वक्फ संशोधन कानून को लेकर मुस्लिम वर्ग के साथ-साथ देश के दीगर अल्पसंख्यक समुदायों और बहुसंख्यक हिंदू समाज के विभिन्न वर्गों से हमें भरपूर समर्थन मिल रहा है। यह इस बात का सबूत है कि हमारे देश में अभी भी आम लोगों में

भाईचारा कायम है। उन्होंने वक्फ कानून 2025 का समर्थन करने वाले सभी लोगों का धन्यवाद किया और कहा कि हमें जरूर कामयाबी मिलेगी। सम्मेलन में बीमारी की वजह से भाग न ले सके जमीअत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी का संदेश पढ़कर सुनाया गया, जिसमें उन्होंने कहा कि वक्फ संशोधन कानून 2025 हमें स्वीकार्य नहीं है और इसकी लड़ाई हम सड़क से लेकर अदालत तक लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमें अदालत से बड़ी उम्मीद है और अदालत इस कानून पर अगली सुनवाई पर अपना फैसला सुनाएगी और मुझे उम्मीद है कि वह हमारे हक में होगा।इस मौके पर एआईएमआईएम के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सऊदी अरब के दौरे का उल्लेख करते हुए कहा कि जब हमारे प्रधानमंत्री का विमान सऊदी अरब की वायु सीमा में पहुंचा, तो उनका स्वागत एफ-16 विमान ने किया, हमें बड़ी खुशी हुई।

आपदा को टालना मुनासिब नहीं लेकिन नुकसान को कम किया जा सकता है : प्रो संतोष

नई दिल्ली। आपदा प्रबंधन विशेषज्ञ एवं इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सिक्योरिटी एंड सेफ्टी मैनेजमेंट (आईआईएसएसएम) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रो संतोष कुमार ने कहा कि यह सच है कि आपदा को टाला नहीं जा सकता है लेकिन सजगता से आपदा से होनेवाले जान-माल के नुकसान को कम जरूर किया जा सकता है।प्रो संतोष नई दिल्ली के कांस्टीट्यूशन क्लब में देशभर से जुटे आपदा प्रबंधन के विशेषज्ञों के प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आपदा प्रभावित पहाड़ी क्षेत्रों में हम 3 - 4 हजार करोड़ का निवेश तो गर्व से करते हैं लेकिन आपदा प्रबंधन पर सौ करोड़ खर्च करने में कंजूसी कर जाते हैं। उन्होंने कहा कि सिर्फ सरकार के भरोसे रहकर आपदा प्रबंधन नहीं किया जा सकता लेकिन सरकार को साथ लेकर सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों के सहयोग से ऐसा किया जा सकता है।प्रो संतोष ने कहा कि प्रधानमंत्री के विकसित भारत के विजन को प्राप्त करने के लिए आपदा प्रबंधन और जलवायु परिवर्तन पर सरकार के साथ मिलकर काम करने की जरूरत है। आईआईएसएसएम इस दिशा में संकल्पित है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सदस्य राजेन्द्र सिंह ने बताया कि मौजूदा सरकार ने आपदा प्रबंधन के बजट में उल्लेखनीय वृद्धि की है। यही कारण है कि अब आपदा के समय राहत कार्य बहुत तेज गति से हो रहा है।

अवकाश प्राप्त आईएएस अनिल सिन्हा ने कहा कि प्राइवेट सेक्टर में आपदा प्रबंधन को लेकर बहुत काम नहीं हुआ है। आईआईएसएसएम इस दिशा में बहुत अच्छा काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि नगर पालिका स्तर तक आपदा प्रबंधन की सुविधाओं को बढ़ावा देने की जरूरत है। प्रशिक्षण कार्यक्रम को दक्षिण कोरिया स्थित संयुक्त राष्ट्र आपदा जोखिम न्यूनीकरण कार्यालय के प्रमुख संजय भाटिया ने भी संबोधित किया। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की आपदा को टालने के लिए उसके रिस्क को कम करना चाहिए। इसके लिए आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में काम करने वालों को समय- समय पर प्रशिक्षण लेते रहना चाहिए। इस दिशा में कई संस्थाएं काम कर रही हैं। मानवता की रक्षा के लिए सभी को मिलजुल कर काम करने की जरूरत है।

आरएसएस ने की पहलगाम आतंकवादी हमले की निंदा

एजेंसी

नई दिल्ली । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की निंदा करते हुए इसे अत्यंत निंदनीय और संतापजनक बताया है। दत्तात्रेय होसबाले ने एक बयान में कहा, हम घटना में मृत हुए सभी के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं तथा घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करते हैं। यह हमला देश की एकता व अखंडता पर प्रहार करने का दुस्साहस है। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों और संस्थाओं से अपील की कि वे सारे मतभेदों को भुलाकर इस हमले की भर्त्सना करें। होसबाले ने सरकार से अनुरोध किया कि वह सभी पीड़ितों और उनके परिवारों की सहायता के लिए आवश्यक व्यवस्था करे। साथ ही, उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकार इस हमले के लिए जिम्मेदार लोगों को दंडित करने के लिए शीघ्र उचित कदम उठाए। उल्लेखनीय है कि जम्मू कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए नृशंस आतंकी हमले की व्यापक निंदा की जा रही है। हमले में 27 लोगों की मौत हुई है। हमले में निर्दोष पर्यटकों के मारे जाने से प्से पूरे देश में शोक की लहर है।

भारत करेगा विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप की मेजबानी, 26 सितंबर से 5 अक्टूबर तक जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में होगा आयोजन

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत पहली बार प्रतिष्ठित विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा। इसका आयोजन 26 सितंबर से 05 अक्टूबर 2025 तक जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में किया जाएगा। इस संबंध में जैसलमेर हाउस स्थित भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई) के कार्यालय में आयोजन की समीक्षा बैठक हुई। इस बैठक की अध्यक्षता भाजपा राष्ट्रीय महिला मोर्चा की अध्यक्ष और भारतीय पैरालंपिक समिति की मुख्य संरक्षक वानति श्रीनिवासन ने की। बैठक के दौरान पीसीआई अध्यक्ष देवेन्द्र झाझरिया, महासचिव जयवंत जीएच, उपाध्यक्ष चंद्रशेखर आर. एवं एसपी सांगवान, मुख्य कोच सत्यनारायण, पीसीआई निदेशक सत्य बाबू, संयुक्त आयोजन सचिव किरुबाकर राजा मौजूद रहे। चर्चा में बुनियादी ढांचे की तैयारी, एथलीट की तैयारी, अंतरराष्ट्रीय समन्वय और व्यापक पहुंच और भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रचार रणनीतियों पर ध्यान केंद्रित किया गया। इस अवसर पर श्रीनिवासन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री मनसुख मंडाविया के अटूट समर्थन के साथ, भारत के पैरा-एथलीटों ने लगातार देश को गौरव दिलाया है। आगामी

विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप उन्हें अपनी अदम्य भावना और उत्कृष्टता दिखाने के लिए एक और शानदार मंच प्रदान करेगी। बैठक के बाद, प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री मनसुख मंडाविया से मुलाकात की और उन्हें मेगा इवेंट की तैयारियों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने उनसे अनुरोध किया कि वे अपनी सुविधानुसार किसी तिथि पर चैंपियनशिप के लोगो का आधिकारिक रूप से अनावरण करें। भारतीय पैरालंपिक समिति ने वानति श्रीनिवासन के निरंतर समर्थन और गतिशील नेतृत्व के लिए आभार व्यक्त किया और विश्व स्तरीय चैंपियनशिप की मेजबानी करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की, जो दुनिया भर के एथलीटों और खेल प्रेमियों की पीढ़ियों को प्रेरित करेगी।

मेयर ने दक्षिणी महरौली में डॉ भीमराव आम्बेडकर पॉलीक्लिनिक का किया उद्घाटन

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के मेयर महेश कुमार खीची ने दक्षिणी महरौली विधानसभा में डॉ भीमराव आम्बेडकर पॉलीक्लिनिक का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि इसका हर वर्ग को लाभ मिलेगा।महेश कुमार खीची ने क्षेत्र के लोगों को बधाई देते हुए कहा कि महरौली की जनता को अच्छी सुविधा देने के लिए पॉलीक्लिनिक का शुभारंभ किया गया है। इससे जनता को फायदा होगा। जनता इसमें कम खर्च में सारी सुविधा का लाभ उठा सकती है। खीची ने कहा कि बाबा साहेब के विचारों को आगे बढ़ाने के लिए इस प्रकार के कार्य किए जा रहे हैं, ताकि देश के लोगों तक बाबा साहेब के विचार पहुंच सकें। उन्होंने कहा कि इस क्लिनिक के खुलने से आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों को दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ेगा। उनको यहां कम दाम में अच्छा इलाज मिल सकेगा। खीची ने कहा कि दिल्ली में भाजपा ट्रिपल इंजन की सरकार बनाने के लिए आआपा के पार्षदों को तोड़ने का काम कर रही है। इस अवसर पर महरौली के चेयरमैन किशन जागड़, निगम पार्षद रेखा महेंद्र चौधरी भी उपस्थित रहीं। उल्लेखनीय है कि दिल्ली महापौर और उप महापौर पद के उम्मीदवारों के नामांकन प्रक्रिया का आखिरी दिन था, जिसमें आम आदमी पार्टी ने इन चुनावों में अपना उम्मीदवार खड़ा नहीं करने का फैसला किया है।

योग से तनाव और उच्च रक्तचाप को कम किया जा सकता है : एचआर नागेंद्र

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के योग सलाहकार एचआर नागेंद्र ने कंस्टीट्यूशन क्लब में रोटरी बेंगलुरु ग्लोबल योगा की ओर से आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि इस विश्व योग दिवस का आदर्श वाक्य वन अर्थ वन फैमिली है। उन्होंने कहा कि योग के जरिए मानसिक तनाव को कम करने के साथ ही रक्तचाप को नियंत्रित किया जा सकता है। उन्होंने आगे कहा कि इस बार 21 जून को विश्व योग दिवस के अवसर पर 20 करोड़ से ज्यादा लोग योग कार्यक्रम में भाग लेंगे।इस मौके पर कन्फेडरेशन ऑफ यूनिवर्सिटीज के अध्यक्ष प्रो. प्रिय रंजन त्रिवेदी ने कहा कि हम सभी को पृथ्वी को बचाने के प्रयास करने होंगे और इसके लिए प्लास्टिक का उपयोग न करने का संकल्प लेना होगा। उन्होंने कहा कि वह सभी विश्वविद्यालयों में योग को कोर्स के रूप में शामिल करवाने का हर संभव प्रयास करेंगे। उन्होंने उम्मीद जताई कि वर्ष 2030 तक भारत अंग्रेजी दवाओं के जाल से मुक्त हो जाएगा। कार्यक्रम के आयोजक डॉ योगी देवराज ने कहा कि इस बार 6 व 7 दिसंबर को बेंगलुरु में चौथे अंतरराष्ट्रीय योग सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने

कहा कि पिछले योग सम्मेलन में 51 देशों के तीन हजार लोगों ने हिस्सा लिया था। इस बार उनका लक्ष्य 108 देशों के लोगों को शामिल करना है। योगी देवराज ने आगे कहा कि बेंगलुरु में होने वाले योग सम्मेलन में योग पर विश्व कोश के दस संस्करण जारी किए जाएंगे। ये संस्करण प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया दोनों रूपों में उपलब्ध होंगे। इस कार्यक्रम में सी एम त्यागराज, डॉ अनिल थपलियाल, डॉ धर्मेन्द्र मिश्रा, मार्कंडेय राय के अलावा बड़ी संख्या में साधु संत व गण्यमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में दिल्ली विश्व विद्यायल के हंसराज कालेज की प्रिंसिपल रमा, मैक्स अस्पताल की डॉ एसएन वासु, वीर चक्र से सम्मानित देवेंद्र पाल, डॉ सारिका गुप्ता और काजल सूरी को सम्मानित किया गया।

एनडीएमसी क्षेत्र में दो हजार से अधिक पौधे और करीब 5 लाख झाड़ियां लगाई जाएंगी : चहल

एजेंसी

नई दिल्ली । नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने मंगलवार को पौधरोपण कार्यक्रम के दौरान कहा कि एनडीएमसी अपने क्षेत्र में 2,039 पौधे और लगभग 4.82 लाख झाड़ियां लगाने जा रही है। यह अभियान जुलाई के पहले या दूसरे सप्ताह में मानसून की शुरुआत के साथ शुरू किया जाएगा। चहल ने बताया कि एनडीएमसी ने पिछले वर्ष एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत 11,096 पौधे और 13,68,148 झाड़ियां लगाई थीं।

उन्होंने आगे बताया कि इस साल एनडीएमसी क्षेत्र में हरियाली बढ़ाने और जहां आवश्यकता है, वहां पौधरोपण के लिए विस्तृत सर्वेक्षण के बाद लक्ष्य तय किए गए हैं। इस वर्ष का अभियान अकबर रोड, शंकर रोड, सरदार पटेल मार्ग जैसे प्रमुख मार्गों और कॉलोनी पार्कों में चलेगा। इसके अलावा नेहरू पार्क, लोधी गार्डन,

संजय झील और तालकटोरा गार्डन जैसे प्रमुख उद्यानों को भी इस मुहिम में शामिल किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस वर्ष इमली, जामुन, पीपल, बरगद, चंपा, बांस, नीम और अशोक जैसे 10 प्रकार के पौधों को लगाने की योजना है। इसके साथ ही चांदनी, हेमालिया, कैलेंडुला, तिकोना और मौर्य जैसी सजावटी और देशी झाड़ियों को भी चुना गया है, जो सौंदर्य और जैव विविधता को बढ़ाएंगी। कुलजीत सिंह चहल ने आगे बताया कि एनडीएमसी वर्तमान में अपने क्षेत्र में 1,450 एकड़ हरित क्षेत्र का रखरखाव करती है। इसमें 6 बड़े पार्क–सेंट्रल पार्क, लोधी गार्डन, तालकटोरा गार्डन, नेहरू पार्क और संजय झील शामिल हैं। इसके अलावा 122 कॉलोनी पार्क, 6 नर्सरी, 981 सीपीडब्ल्यूडी पार्क, 52 स्कूलों के हरित परिसर, 51 गोलचक्कर, 14 बाज़ार उद्यान और लगभग 15,000 सड़क किनारे के पेड़-पौधे भी एनडीएमसी के तहत आते हैं।

संपादक की कलम से

रामदेव के खिलाफ सख्त कार्रवाइ

अपना शरबत बाजार में उतारने के बाद पतंजलि के संस्थापक बाबा रामदेव की ओर से इसी महीने की शुरूआत में दिए गए साम्प्रदायिकता व नफरत फैलाने वाले बयान पर बेशक दिल्ली हाईकोर्ट ने मंगलवार को उन्हें जोरदार फटकार लगाते हुए कहा हो कि, 'इससे अदालत की अंतरात्मा को झटका लगा है। इसे माफ नहीं किया जा सकता,' पर सवाल यह है कि क्या खुद रामदेव इस बात को महसूस करेंगे कि वे अपने व्यवसायिक लाभ के लिये समाज को किस कदर बांट रहे हैं? इसके साथ ही सवाल यह भी है कि क्या सत्ता के नजदीक होने का अर्थ यह है कि कोई भी रसूखदार कानूनों की परवाह किये बिना मर्जी के मुताबिक बयानबाजी करे? अब देखना यह होगा कि अदालत बाबा रामदेव के खिलाफ सख्त कार्रवाई करती है या फिर उन्हें मात्र चेतावनी देकर छोड़ दिया जाता है। अदालत ने उन्हें अपने विवादास्पद वीडियो हटाने तथा भविष्य में ऐसे बयान न देने की सख्त ताकीद दी है। मामले की अगली सुनवाई 1 मई को निर्धारित की गयी है। रामदेव के वकील को भी उपस्थित रहने के लिये कहा गया है। जस्टिस अमित बंसल ने सख्त आदेश देने की चेतावनी भी दी।

उल्लेखनीय है कि आयुर्वेदिक दवाएं बनाने वाले पतंजलि के संस्थापक व योग गुरु रामदेव ने 3 अप्रैल को अपना शरबत लॉच करते हुए एक वीडियो एक्स पर पोस्ट किया था। इसमें वे अपने नये उत्पाद के प्रदर्शन के साथ यह कहते सुने गये- 'एक कंपनी शरबत बनाती है। उससे जो पैसा मिलता है उससे मदरसे और मस्जिदें बनती हैं। अगर आप वो शरबत पिएंगे तो मस्जिद और मदरसे बनेंगे।' रामदेव ने यह भी कहा कि 'अगर आप पतंजलि का शरबत पिएंगे तो गुरुकुल बनेंगे, आचार्य कुलम बनेगा। पतंजलि विश्वविद्यालय और भारतीय शिक्षा बोर्ड आगे बढ़ेगा। मैं कहता हूं कि ये शरबत जिहाद है। जैसे लव जिहाद और वोट जिहाद चल रहा है, वैसे ही 'शरबत जिहाद' भी चल रहा है।' उनका इशारा प्रसिद्ध शरबत रूह आफजा बनाने वाली कम्पनी हमदर्द की ओर था।

उनके इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर उनके पक्ष-विपक्ष में बयानों व प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गयी थी। रूह आफजा, जिसे 1907 में हकीम हाफिज अब्दुल मजीद ने उत्तर प्रदेश के पीलीभीत में बनाया था पीलीभीत के पंजाबियां मोहल्ले के निवासियों ने रामदेव के बयान पर नाराजगी जताते हुए कहा, 'रूह आफजा एक ऐसा पेय है जो हर धर्म के लोगों के दिलों को ठंडक देता है। इसे धार्मिक रंग देना गलत है।'

हालांकि विवाद बढ़ने पर रामदेव ने 12 अप्रैल को एक और वीडियो पोस्ट किया जिसमें उन्होंने कहा कि, 'मैंने एक वीडियो डाला। उससे सबको मिर्ची लग गई। मेरे खिलाफ हजारों वीडियो बनाए गए। कहा जाने लगा कि मैंने शरबत जिहाद का नया शिगूफा छोड़ दिया। अरे मैंने क्या छेड़ा? ये तो है ही। लव जिहाद, लैंड जिहाद, वोट जिहाद, बहुत तरह के जिहाद चलाते हैं ये लोग। मैं यह नहीं कह रहा कि वे आतंकवादी हैं, लेकिन इतना जरूर है कि उनकी इस्लाम के प्रति निष्ठा है।'

अपना उत्पाद बेचने के लिये एक प्रतिष्ठित कम्पनी को यूं बदनाम करने की रामदेव की यह हरकत अधिकतर लोगों को पसंद नहीं आई थी। लोगों ने न केवल दोनों के उत्पादों की तुलना करते हुए रूह आफजा को बेहतर बतलाया बल्कि उन सारी सामाजिक कल्याण की गतिविधियों को भी सामने लाया जिनका संचालन हमदर्द कम्पनी करती है। रामदेव के खिलाफ मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने दिल्ली के एक थाने में तो रिपोर्ट लिखाई ही, खुद हमदर्द कम्पनी ने न्यायालय का रूख किया था। कम्पनी के सीनियर एडवोकेट मुकुल रोहतगी ने इस बयान को 'हेट स्पीच' के समकक्ष बताया और कहा कि यह साम्प्रदायिक विभाजन करने जैसा है। रोहतगी ने आरोप लगाया कि रामदेव ने धर्म के आधार पर हमदर्द कंपनी पर हमला किया है। उनका कहना था कि रामदेव का नाम पर्याप्त मशहूर है और वे दूसरे प्रोडक्ट की बुराई किये बगैर पतंजलि का सामान बेच सकते हैं।

पतंजलि के वकील राजीव नायर ने वादा किया कि ऐसे सभी वीडियो हटा लिये जायेंगे। अदालत ने चेतावनी दी कि, 'रामदेव ऐसी बातें अपने दिमाग तक सीमित रखें। इन्हें जाहिर न करें।' रोहतगी ने पतंजलि के भ्रामक विज्ञापनों वाले मामले की भी याद दिलाते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने रामदेव और उनके भागीदार बालकृष्ण को लोगों से माफी मांगने का आदेश दिया था। दोनों ने कोरोना की अंग्रेजी दवाओं के खिलाफ भी गलत बयान दिए थे। वैसे भ्रामक विज्ञापन मामले में बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिल गई थी। कोर्ट ने दोनों के माफीनामे स्वीकार करते हुए दोनों के खिलाफ दायर अवमानना का मामला बंद कर दिया था। रामदेव बाबा को योग को लोकप्रिय बनाने का श्रेय तो जाता है लेकिन अपनी व्यवसायिक महत्वाकांक्षाओं तथा भारतीय जनता पार्टी की सरकारों से मिलने वाले अनपेक्षित लाभों के कारण वे विवादग्रस्त हो चुके हैं। उनकी पतंजलि कम्पनी आयुर्वेदिक दवाओं के साथ-साथ खान-पान की सामग्रियों, सौंदर्य प्रसाधनों और यहां तक कि जीन्स भी बनाती है। देश भर की सैकड़ों दुकानों एवं मेडिकल स्टोर्स में कम्पनी के उत्पाद बड़े पैमाने पर बिकते हैं। पतंजलि के उत्पाद कई राज्यों में बनते हैं। सत्ता से मिली शह के चलते रामदेव का कद इतना बड़ा हो गया है कि अधिकांश राज्यों में उन्हें एक तरह से राज्य अतिथि का दर्जा मिलता है और उन्हें जो भी सुविधाएं उनके व्यवसायिक कार्यों के लिये चाहिये होती हैं, वे चुटकी बजाते उपलब्ध हो जाती हैं।

उनके अनेक उत्पाद गैर मानक घोषित किये जा चुके हैं लेकिन रामदेव किसी कार्रवाई की चिंता से मुक्त होकर अपने व्यवसाय का संचालन बेखटके करते हैं। उनके औद्योगिक साम्राज्य का सतत विस्तार हो रहा है। 2011 में समाजसेवी अन्ना हजारे के चलाये लोकपाल आंदोलन में अग्रणी रहे रामदेव अपना माल बेचने के लिये किसी भी स्तर तक जाते रहे हैं जिस पर लगाम जरूरी है।

तेज धूप में रहने से स्किन बर्न की हो गई है समस्या, डॉक्टर से जानें कैसे रखें ध्यान

तपती गर्मियों में स्किन बर्न होने की समस्या आमतौर पर हो जाती है. सन बर्न भी कई तरह का होता है. इसकी तीन कैटेगरी होती हैं. सन बर्न की फर्स्ट स्टेज में केवल ऊपरी त्वचा को प्रभावित करती है, जबकि दूसरी स्टेज त्वचा के नीचे तक भी खाल को नुकसान पहुंचा देती है और तीसरी स्टेज में त्वचा के नीचे चर्बी को भी नुकसान पहुंचता है. जानते हैं डॉक्टर सनबर्न से बचाव के लिए कहा बता रहे हैंदिल्ली के पीएसआरआई अस्पताल में डमेटौलॉजिस्ट डॉ भावुक धीर बताते हैं किसनबर्न में लाल, दर्दनाक और क्षतिग्रस्त त्वचा हो जाती है. ऐसी स्थिति लंबे समय तक धूप में रहने से होती है. सूरज से निकलने वाली पराबैंगनी किरणें (यूवी रेज) त्वचा को जला देती है. सनबर्न की पहली स्टेज में त्वचा का उपरी हिस्सा झुलस जाता है. त्वचा की ऊपरी परत को होने वाला नुकसान अक्सर एक सप्ताह में सही हो जाता है।

दूसरी स्टेज में त्वचा के मध्य भाग को नुकसान पहुंचता है. इसमें त्वचा पर छाले पड़ जाते हैं. छालों पर खुजाने या फोड़ने पर समस्या गंभीर हो जाती है. तीसरी स्टेज गंभीर होती है. इस स्टेज में त्वचा की सभी परतों को नुकसान पहुंचता है. कई बार तो चर्बी तक भी नुकसान पहुंच जाता है. इस स्थिति में तुरंत उपचार की जरूरत होती है.

ऐसे करें बचाव

डॉ धीर बताते हैं किगर्मियों में सन र्न से बचना है तो अपनी त्वचा का खास ध्यान रखें. यदि सनबर्न होता है तो उस हिस्से को ठंडे पानी से धोएं. उस पर बर्फ का टुकड़ा भी रगड़ सकते हैं. जब त्वचा पूरी तरह से ठीक न हो जाए धूप में जाने से बचें. यदि जाना जरूरी है तो डॉक्टर से सलाह करके सनस्क्रीन जरूर लगाएं. सनस्क्रीन से आपकी त्वचा को नुकसान नहीं पहुंचेगा. इसके अलावा कपड़ों का खास ध्यान रखें. धूप में निकलने के दौरान पूरे कपड़े पहने. चेहरा, बाजू और टांगों भी ढक कर रखें. इससे सन बर्न की समस्या से काफी हद तक बचा सकता है।

पहलगाम में मजहबी आतंक का सबसे बर्बर चेहरा

-ललित गर्ग-

जम्मू-कश्मीर में स्थित पहलगाम, जिसे ह्यमिनी स्विट्जरलैंडह्ल के नाम से जाना जाता है, मंगलवार को एक भीषण, दर्दनाक एवं अमानवीय आतंकी हमले का गवाह बना, एक बार फिर जिहादी आतंक का घिनौना-बर्बर चेहरा दिखा। आतंकियों ने पहलगाम में निर्दोष-निहत्थे पर्यटकों की जिस तरह पहचान पता करके गोलियां बरसाईं, उससे यही पता चलता है कि वे केवल खौफ ही नहीं पैदा करना चाहते थे, बल्कि बड़ी संख्या में लोगों का खून बहाकर दुनिया का ध्यान भी खींचना चाहते थे। यह आतंकवाद एवं सांप्रदायिक घृणा का अब तक का सबसे घिनौना एवं बर्बर हमला एवं चेहरा है, जिसमें हिन्दू सुनकर चलाई गोलियां। जो पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के मूल एजेंडे का हिस्सा है। इस जघन्य एवं त्रासद घटना में निर्दोष पर्यटकों को तब मौत की गहरी नींद सुलाया गया, जब अमेरिकी उपराष्ट्रपति भारत में हैं और भारतीय प्रधानमंत्री सऊदी अरब में। इस हमले ने यह प्रकट किया कि कश्मीर में बचे-खुचे आतंकी किसी भी सीमा तक गिरने पर आमादा हैं। आतंकियों ने उन पर्यटकों को निशाना बनाया, जो कश्मीरियों की रोजी-रोटी को ही सहारा देने कश्मीर गए थे। यह हमला इतना वीभत्स था कि उसने हर संवेदनशील दिल को झकझोर कर रख दिया। आतंकियों ने नृशंसता की सारी सीमाएं पार करते हुए अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसमें 28 पर्यटक, जिनमें दो विदेश नागरिक भी थे, की दर्दनाक मौत हो गई।

हमले की जिम्मेदारी पाकिस्तान में स्थित प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े संगठन ह्यद रेजिस्टेंस फ्रंटह्ल (टीआरएफ) ने ली है। सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि हमलावरों ने दक्षिण कश्मीर के कोकेरनाग से होते हुए किश्तवाड़ के रास्ते बैसरन तक पहुंच बनाई। घटना दोपहर करीब तीन बजे की है, जब बैसरन के घास के मैदान और आसपास के इलाकों में भारी संख्या में पर्यटक मौज-मस्ती कर रहे थे, कुछ खच्चरों की सवारी का आनंद ले रहे थे तो कुछ परिवार पिकनिक मना रहे थे। तभी घात लगाए बैठे आतंकियों ने ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। इस घटना के लिये सीधे तौर पर पाकिस्तान जिम्मेदार है। इसकी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि चंद दिन पहले ही पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष आसिम मुनीर ने किसी जिहादी की तरह हिंदुओं और भारत के खिलाफ अपनी घृणा का भद्दा प्रदर्शन किया था। अबू मूसा का वह भाषण और उसके तुरंत बाद हुआ पहलगाम नरसंहर दशार्ता है कि पीओके में बैठे आतंकी सरगना न केवल भारत विरोधी जहरीला प्रचार फैला रहे हैं, बल्कि कश्मीर घाटी की शांति, विकास एवं सौहार्द को बाधित करने की हर कोशिश को सफल बनाने में जुटे हैं। वे आगामी समय में घाटी को फिर से अशांत करने की योजना पर भी काम कर रहे हैं। इस भीषण आतंकी हमले के बाद घाटी में पर्यटन संबंधी कारोबार करीब-करीब ठप पड़ना तय है। आखिर इतनी भयावह घटना के बाद कौन पर्यटक कश्मीर की ओर रुख करेगा?

लम्बे समय की शांति, अमन-चैन एवं खुशहाली के बाद एक बार फिर कश्मीर में अशांति एवं आतंक के बादल मंडराये हैं। धरती के स्वर्ग की आभा पर लगे ग्रहण के बादल छंटने लगे थे कि एक बार फिर पहलगाव में आतंकियों ने पूरे देश में आक्रोश की लहर पैदा करने वाली घटना को अंजाम दिया है। अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद पहली बार कश्मीर में इतना बड़ा आतंकी हमला हुआ है। आतंकियों और उनके समर्थकों को करारा जवाब दिया जाना आवश्यक ही नहीं, अनिवार्य है। पहलगाम में आतंकी हमले की गंभीरता इससे प्रकट होती है कि जहां गृहमंत्री अमित शाह आनन-फानन श्रीनगर के लिए रवाना हुए, वहीं सऊदी अरब गए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी यात्रा बीच में छोड़कर दिल्ली आ गये। दिल्ली आते ही एयरपोर्ट पर ही एक मीटिंग की, जिसमें अजित डोभाल से गंभीर मंत्रणा के बाद इस आतंकवादी घटना के खिलाफ एक्शन लेना प्रारंभ कर दिया। मोदी एवं शाह के एक्शन से उम्मीद बंधी है कि इस बार कुछ निर्णायक होगा। पहलगाम की सुंदर घाटी को रक्त रंजित करने के लिये आतंकवाद का जिन्न भले ही निकल आया हो, लेकिन इस बार निर्दोष एवं बेकसूर लोगों का रक्त व्यर्थ नहीं जाना चाहिए। यह हमला पाकिस्तान की बौखलाहट का नतीजा है, उसी के इशारे पर किया गया। यह मानने के पुख्ता एवं पुष्ट कारण हैं कि पाकिस्तान सुलगते बलूचिस्तान से दुनिया का ध्यान हटाना चाहता है और उसे यह रास नहीं आ रहा कि कश्मीर में स्थितियां तेजी से सामान्य होती जा रही हैं। भारत को पाकिस्तान के शैतानी इरादों के प्रति और अधिक सतर्क रहना चाहिए था। वह न पहले भरोसे लायक था और न अब। अब आतंकियों को शह और सहयोग देने वाले पाकिस्तान को निर्णायक रूप से सबक सिखाया जाना ज्यादा जरूरी हो गया है।

तहव्वुर राणा का प्रत्यर्पण आतंकवाद के खिलाफ भारत की एक बड़ी जीत बनी है, जिससे भी पाकिस्तान भयभीत बना। मुंबई सहित देश के अन्य हिस्सों और विशेषतः जम्मू-कश्मीर में आतंकी हमले की पूरी प्लानिंग के पीछे पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई व उसकी जमीन पर सक्रिय आतंकवादी संगठनों का हाथ न केवल था, बल्कि आर्थिक एवं अन्य तरह का सहयोग भी शामिल है। पहलगाम की ताजा घटना हो या बार-बार होने वाली आतंकी घटनाएं तमाम सबूत होने के बाद भी पाकिस्तान इन हमले के पीछे अपनी कोई भूमिका होने से इनकार करता रहा है। हालांकि वह आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के प्रमुख हाफिज सईद और जकी-उर-रहमान लखवी जैसे आतंकवादी सरगनाओं को बचाता भी रहा है। राणा के माध्यम पाकिस्तान का पूरा सच देश एवं दुनिया के सामने आने का डर पाकिस्तान को सता रहा था, तभी उसने इस पहलगाम की घटना को अंजाम दिया। लेकिन अब हद हो गयी। अब एक साथ कई मोर्चे पर आतंकवाद के खिलाफ कमर कसनी होगी, अब भारतीय सुरक्षा एजेंसियों का असली बड़ा काम यहां से शुरू करना होगा। अमेरिका राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सीमा पार यानी पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद से लड़ने में भारत का साथ देने का संकल्प एकबार फिर दोहराया है, इसी तरह रूस भी भारत के साथ है। अनेक देशों ने भारत की आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में हर तरह से सहयोग का वादा किया है। अब समय आ गया है पाकिस्तान को उसकी जमीन दिखाने एवं उसके विध्वसंक एवं विनाशकारी मनसूंबों को नेस्तनाबूंद करने का।

तीन दशकों से कश्मीर घाटी दोषी और निदोर्षी लोगों के खून की हल्दीघाटी बनी रही है। लेकिन वर्ष 2014 के बाद से, नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद से वहां शांति एवं विकास का अपूर्व वातावरण बना है, यही पाकिस्तान को रास नहीं आ रहा है। कश्मीर सहित समूची दुनिया से आतंकवाद को समाप्त करने का नेतृत्व करके मोदी एक और करिश्मा घटित करने को तत्पर होना भी पाकिस्तान के लिये बड़ी चुनौती बना है, पहलगाव जैसी घटनाएं उनके इरादों को कमजोर नहीं, बल्कि बलशाली ही बनाती है। अब कश्मीर में आतंक का अंधेरा नहीं, शांति का उजाला होना ही चाहिए। दुनिया के शक्तिसंपन्न राष्ट्र भी मंथन करें आतंक रूपी विष और विषमता को समाप्त करने का, शांतिपूर्ण दुनिया निर्मित करने का। अब समय आ गया है कि पाकिस्तान में घूस कर सबक सिखाने का। सर्जिकल अटैक ही पुख्ता जबाव हो सकता है।

आतंक से जो जन्मती है, वह संस्कृति नहीं होती है, उसमें पाशविकता होती है, उसमें जानवर विद्यमान होते हैं। ऐसे व्यक्ति, संगठन एवं देश किसी के प्रिय नहीं हो सकते, वे मानवता को त्राण नहीं, संत्रास देते हैं। लगातार हो रहे इन हमलों के बाद भी हिन्दू समुदाय शांति और करुणा की ही बात करता आया है। पर एक बड़ा सवाल ये है कि आखिर कब तक यह सिलसिला चलेगा? भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। भारत के बढ़ते कदमों को रोकने के लिये पाकिस्तान आतंकी संगठन और आतंक का सहारा ले रही हैं। भारत सरकार की नीति, सशक्त सुरक्षा व्यवस्था, सरकार की सतर्कता के चलते ही पाकिस्तान, वहां के आतंकवादी संगठन एवं आतंकवादी अपने मनसूबों में कामयाब नहीं हो पा रहे हैं। लगातार असफलता से खीझे एवं बौखलाये हुए आतंकी कोई-न-कोई नई और अधिक खौफनाक आतंकी घटना को अंजाम देने में जुटे रहते हैं, हमारी सुरक्षा एजेंसियों को अधिक सतर्कता बरतने की अपेक्षा है।

सशक्त पंचायतों से ही बनेगा विकसित राष्ट्र

रमेश सर्राफ धमोरा

भारत गांवो का देश है। यहां की बहुसंख्यक आबादी आज भी गांवों में रहती है। भारत के गांव ही देश की अर्थव्यवस्था की मुख्य धूरी है। इसीलिए कहा जाता है कि जब तक देश कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत नहीं होगी तब तक भारत विकसित राष्ट्र नहीं बन पाएगा। गांव में सुशासन स्थापित करने के लिए ही ग्राम पंचायत की स्थापना की गई थी। हमारे देश के नेताओं को ग्रामीण पृष्ठभूमि का पूरा ज्ञान था। इसलिए उन्होंने गांव के महत्व को समझकर ग्रामीण क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए पंचायती राज व्यवस्था की स्थापना की थी। उनको पता था कि जब तक गांव मजबूत नहीं होंगे तब तक देश मजबूत नहीं होगा। गांव को मजबूत करने के लिए यहां मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाना सबसे महत्वपूर्ण कार्य था।

आजादी के समय भारत के गांव बहुत पिछड़े हुए थे। देश के अधिकांश गांवों में मूलभूत सुविधाओं के नाम पर कुछ नहीं था। मगर आज गांवों की व्यवस्था भी बहुत कुछ बदल गई है। आज देश के बहुत से गांव में शहरों की भांति सुविधा देखने को मिल रही है। लेकिन आज भी देश में हजारों ऐसे गांव है जहां पर्याप्त मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं हो पाई है। जब तक सरकार देश के सभी गांव में समान रूप से सुविधा उपलब्ध नहीं करवा पाएगी तब तक देश विकास की दौड़ में पूरी गति से शामिल नहीं हो पाएगा। हम आज पंचायती राज दिवस मना रहे हैं। हमारे देश में 2 अक्टूबर 1959 को पहली बार पंचायती राज व्यवस्था लागू की गई थी। 1993 में त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था को संवैधानिक दर्जा प्राप्त हुआ था।

राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस भारत में बहुत महत्व रखता है क्योंकि यह एक संवैधानिक इकाई के रूप में पंचायती राज प्रणाली की स्थापना का प्रतीक है। पंचायती राज प्रणाली भारत की लोकतांत्रिक प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसका उद्देश्य स्थानीय स्तर पर सत्ता और संसाधनों का विकेंद्रीकरण करना और सहभागी लोकतंत्र, सामाजिक न्याय और समावेशी विकास को बढ़ावा देना है। पंचायती राज प्रणाली जमीनी स्तर पर लोगों को निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में भाग लेने और उनके विकास का स्वामित्व लेने में सक्षम बनाती है, जो स्व-शासन और जवाबदेही को बढ़ावा देने में मदद करती है। भारत गांवों का देश माना जाता है और गांव के विकास में पंचायतों की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका होती है। चूंकि ग्राम पंचायतों के पंच व सरपंच सीधे ग्रामीणों द्वारा चुने जाते हैं। इसलिए निर्वाचित जनप्रतिनिधियों का अपनी ग्राम पंचायत क्षेत्र के लोगों से सीधा संपर्क रहता है। ग्रामवासी भी अपनी समस्याएं सीधे पंचायत तक पहुंचा सकतें है। मगर ग्राम पंचायतों की स्थापना के इतने वर्षों के बाद भी अभी तक ग्राम पंचायते वास्तविक रूप में सशक्त नहीं हो पाई है। ग्राम पंचायतें पूरी तरह राज्य सरकारों पर निर्भर है। कहने को तो ग्राम पंचायतों को बहुत सारे अधिकार प्रदान किए गए हैं। मगर आज तक भी अपने अधिकारों का ग्राम पंचायतें प्रयोग नहीं कर पाती है। आज भी देश की अधिकांश ग्राम पंचायतों में सरकारी अधिकारी, कर्मचारी प्रभावी रहते हैं।

ग्राम पंचायतों में आरक्षण व्यवस्था लागू होने के कारण बड़ी संख्या में महिलाएं पंच, सरपंच निर्वाचित होकर आती है। उनमें से कई महिलाएं तो वास्तव में बहुत अधिक पढ़ी लिखी होने के कारण पूरी जानकारी रखती है। इस कारण वह अपने अधिकारों का पूरा प्रयोग कर लेती है। मगर अधिकांशतः आरक्षण के कारण गांवो में प्रभावी नेता अपने परिवार की किसी महिला को पंच, सरपंच बनवा देते हैं। फिर उनके स्थान पर खुद नेतागिरी करते हैं। वहां की निर्वाचित महिलाएं मात्र कागजी जनप्रतिनिधि बन कर रह जाती है। बहुत से स्थानों पर तो महिला सरपंचों के हस्ताक्षर भी उनके स्थान पर काम करने वाले उनके परिजनों द्वारा ही कर दिए जाते हैं।

बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले महत्वपूर्ण राजनीतिक मंथन

- कल्याणी शंकर

राजद, कांग्रेस और कुछ छोटी पार्टियों से मिलकर बना महागठबंधन कड़ा चुनौती दे रहा है। गठबंधन पर चर्चा के लिए पिछले हफ्ते दिल्ली में राजद और कांग्रेस के शीर्ष नेताओं की बैठक हुई थी। 2020 के बाद से राजनीतिक पुनसंर्योजन - वीआईपी का महागठबंधन में शामिल होना, एलजेपी का एनडीए के साथ गठबंधन और राष्ट्रीय लोक समता पार्टी का जेडी(यू) में विलय - चुनावी तस्वीर को जटिल बनाते हैं।

इस साल के अंत में बिहार में होने वाले चुनाव काफी अप्रत्याशित हैं। अभी तक, भाजपा, राजद, कांग्रेस या जद (यू) के लिए कोई आसान रास्ता नहीं है। बिहार की राजनीति में मंथन चुपचाप हो रहा है। सत्ता की गत्यात्मकता में संभावित बदलाव हो सकता है। पिछले दो दशकों से जनता दल (यूनाइटेड) के बाद दूसरे स्थान पर रहने वाली भाजपा प्रमुख भूमिका निभाने की उम्मीद कर रही है। राजद सरकार का मुखिया बनना चाहता है।

दो महत्वपूर्ण शक्ति समूह लड़ाई में हैं। एक तरफ एनडीए और दूसरी तरफ महागठबंधन, जिसमें राजद, कांग्रेस और वामपंथी दल शामिल हैं। पार्टी के भीतर और भीतरी गतिशीलता पूरे जोश में है। एनडीए और महागठबंधन एक बड़े राजनीतिक मुकाबले के लिए सोची-समझी चाल चल रहे हैं। दिल्ली विधानसभा चुनाव जीतने के बाद, लगातार उन राज्यों में जीत से उत्साहित भाजपा ने अब बिहार पर नजरें गड़ा दी हैं।

बिहार की जातिगत राजनीति दिलचस्प है। पिछड़े वर्ग की आबादी 63.13प्रतिशत है, जबकि सवर्ण जातियां केवल 15.52प्रतिशत हैं। पिछड़े वर्ग की श्रेणी में अन्य पिछड़ा वर्ग 27.12 है, जबकि अत्यंत पिछड़ा वर्ग की आबादी 36प्रतिशत है। दलितों की संख्या लगभग 19.65 है और यादवों की संख्या 14.26प्रतिशत है। नीतीश कुमार की कुर्मी जाति, कुर्मी, जिसे ओबीसी के रूप में भी वर्गीकृत किया गया है, की आबादी 2.87प्रतिशत है। पिछले विधानसभा चुनावों में, लगभग 15प्रतिशत आबादी वाली उच्च जातियों ने कई पार्टियों में टिकट वितरण पर अपना दबदबा बनाया था। भाजपा ने अपने 47.3प्रतिशत टिकट उच्च जाति के उम्मीदवारों को दिये थे, जबकि कांग्रेस ने अपनी 40प्रतिशत सीटें उच्च जातियों को दी थीं।

2020 के बिहार विधानसभा चुनाव में, महागठबंधन 243 सदस्यीय विधानसभा में साधारण बहुमत हासिल नहीं कर सका, केवल 12 सीटों से चूक गया। राजद सदन में सबसे बड़ी पार्टी थी, लेकिन सरकार नहीं बना सकी।

2025 के चुनावों के लिए, जेडी(यू) ने नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री पद का चेहरा बनाने की पुष्टि की है। जाने-माने चुनाव विशेषज्ञ प्रशांत किशोर ने भविष्यवाणी की थी कि नीतीश कुमार अपना राजनीतिक करियर खत्म कर देंगे। राजद ने अपने नेता तेजस्वी यादव को चुना है। कांग्रेस ने अभी तक अपने पत्ते नहीं खोले हैं। इस महीने से शुरू हुई कांग्रेस और राजद के बीच बैठकों का सिलसिला जारी है। जनता दल (यूनाइटेड) पार्टी और भाजपा गठबंधन वर्तमान में बिहार पर शासन कर रहे हैं। नीतीश कुमार की बिगड़ती सेहत, जातिगत संतुलन और गठबंधन के कामकाज ने बिहार को एनडीए के लिए राजनीतिक रूप से अप्रत्याशित बना दिया है। अगर भाजपा नीतीश को चुनती भी है, तो उनके स्वास्थ्य संबंधी मुद्दे चुनाव परिणाम को काफी प्रभावित कर सकते हैं। जेडीयू भाजपा के साथ ज्यादा सीटों के लिए मोलभाव करना चाहती है। 2020 में जेडी(यू)ने 115 सीटों पर चुनाव लड़ा,लेकिन सिर्फ 43 सीटें ही जीत पायी थी। इसके विपरीत, भाजपा ने 110 सीटों पर चुनाव लड़ा और 74 सीटें जीतीं।

राजद, कांग्रेस और कुछ छोटी पार्टियों से मिलकर बना महागठबंधन कड़ा चुनौती दे रहा है। गठबंधन पर चर्चा के लिए पिछले हफ्ते दिल्ली में राजद और कांग्रेस के शीर्ष नेताओं की बैठक हुई थी। 2020 के बाद से राजनीतिक पुनसंर्योजन - वीआईपी का महागठबंधन में शामिल होना, एलजेपी का एनडीए के साथ गठबंधन और राष्ट्रीय लोक समता पार्टी का जेडी(यू) में विलय - चुनावी तस्वीर को जटिल बनाते हैं। 2020 के बाद से एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम एनडीए के भीतर सत्ता समीकरण में बदलाव रहा है, जिसमें भाजपा मजबूत होकर उभरी है। भाजपा ने रणनीतिक रूप से गैर-प्रमुख अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और गैर-प्रमुख दलित समुदायों को अपने पक्ष में किया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह दो दिनों क४ लिए बिहार गये। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जल्द ही बिहार का दौरा करेंगे।

राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने एक चौंकाने वाली घोषणा करते हुए कहा कि वह अपने समाजवादी सहयोगी नीतीश कुमार के साथ सुलह करने के लिए तैयार हैं। इस बयान के जवाब में नीतीश ने कहा कि उन्होंने अनजाने में राजद के साथ गठबंधन कर लिया था। हालांकि, तेजस्वी यादव ने जोर देकर कहा कि महागठबंधन में नीतीश के लिए कोई जगह नहीं है। कई लोगों का मानना है कि अपने यू-टर्न के लिए मशहूर नीतीश पाला बदल सकते हैं।

भारत के विपक्षी इंडिया ब्लॉक ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को आगामी बिहार विधानसभा चुनावों के लिए अपनी समन्वय समिति का प्रमुख नियुक्त किया है। यह निर्णय 17 अप्रैल को पटना में छह गठबंधन सहयोगियों की बैठक के दौरान लिया गया।

महागठबंधन में कांग्रेस और वामपंथी दलों को चिंता है कि राजद सीट बंटवारे के समझौते को अंतिम रूप देने के लिए आखिरी समय तक इंतजार करेगा। कांग्रेस पार्टी 2020 में उन्हें दी गयी कमजोर सीटों से नाखुश है। उसने पिछले चुनाव में जिन 70 सीटों पर चुनाव लड़ा था, उनमें से उन्हें केवल 19 सीटें ही मिलीं। सीपीआई (एमएल), जिसने 2020 में अच्छा प्रदर्शन किया था, सीटों का बड़ा हिस्सा चाहती है। 2005 के बाद से, आरजेडी को 2015 और 2022 में छोटी अवधि को छोड़कर, सत्ता हासिल करने में कठिनाई हो रही है।

फिलहाल, तेजस्वी यादव के सामने दो मुख्य कार्य हैं। सबसे पहले, उन्हें मुसलमानों और यादवों के अपने मूल समूहों से परे अन्य जातियों को शामिल करने के लिए समर्थन का विस्तार करने की आवश्यकता है।

डीओजीइ से ध्यान हटा लिया गयाः मस्क

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी अरबपति उद्यमी एलन मस्क ने घोषणा की है कि वह अमेरिकी सरकारी दक्षता विभाग के लिए काम करने में कम समय बिताने की योजना बना रहे हैं और अपने टेस्ला इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता पर अधिक ध्यान केंद्रित करेंगे। न्यूज के हवाले से मस्क ने कहा, संभवतः अगले महीने, मई से सरकारी दक्षता विभाग के लिए मेरा समय दायित्व काफी कम हो जाएगा।' टेस्ला ने घोषणा की कि उसकी तिमाही आय में 71 प्रतिशत की गिरावट आई है। टेस्ला के कार्यकारी अधिकारी मस्क ने कथित तौर पर मार्च में स्वीकार किया था कि अमेरिकी सरकार के लिए उनके काम ने कंपनी के शेयर की कीमत को प्रभावित किया है। श्री मस्क ने कहा, मुझे लगता है कि मैं सरकारी मामलों पर प्रति सप्ताह एक या दो दिन बिताना जारी रखूंगा, जब तक राष्ट्रपति चाहेंगे कि मैं ऐसा करूं, और जब तक यह उपयोगी है, लेकिन अगले महीने से, मैं टेस्ला को अपना अधिक समय आवंटित करूंगा, अब जबकि सरकारी दक्षता विभाग की स्थापना का प्रमुख काम पूरा हो गया है। उद्यमी ने टेस्ला कॉल के दौरान दोहराया, जैसा कि एनबीसी न्यूज ने उद्धृत किया है, कि वह टेस्ला को इलेक्ट्रिक कार व्यवसाय से हटाकर दो नए उत्पादों में बदलना चाहते हैं- रोबोटैक्सिस और ह्यूमनॉइड रोबोट।

इज़रायली प्रधानमंत्री ने हूती हमलों का कड़ा जवाब देने का लिया संकल्प

यरुशलम। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि यमन के हूती बलों के बार-बार किए गए हमलों का इजरायल कड़ा जवाब देगा। श्री नेतन्याहू ने तेल अवीव में एक सार्वजनिक भाषण के दौरान यह धमकी दी, जिसमें उन्होंने हूतियों और उन सभी लोगों को संबोधित किया जिससे इजरायल को नुकसान पहुँचा है,उन्होंने कसम खाई और कहा कि इजरायल के खिलाफ कोई भी हमला बेकार नहीं जाएगा। इसका जोरदार जवाब दिया जाएगा।' प्रधानमंत्री ने यह स्पष्ट नहीं किया कि जवाब किस रूप में दिया जाएगा, लेकिन कहा कि इजरायल अपने क्षेत्र पर लगातार हमलों को बर्दाश्त नहीं करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि यमन में हूती, जो इजरायल पर गोलीबारी करते रहते हैं, पहले ही इजरायल और अमेरिकी सहयोगियों से भारी हमले झेल चुके हैं। उल्लेखनीय है कि यमन स्थित हूती बलों ने इजरायल की ओर दर्जनों लंबी दूरी की मिसाइलें और ड्रोन लॉन्च किए हैं और अक्टूबर 2023 में गाजा युद्ध की शुरुआत के बाद से लाल सागर में इजरायल से जुड़े शिपिंग को निशाना बनाया है, ताकि इजरायल की बमबारी के तहत फिलिस्तीनियों के साथ एकजुटता दिखाई जा सके। इज़रायली सेना और लाल सागर में तैनात अमेरिकी नेतृत्व वाले नौसैनिक गठबंधन ने यमन में कई घातक हवाई हमले किए हैं, जिनमें हूती समूह को रोकने के लिए हूती नियंत्रित क्षेत्रों और बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया गया है।

दक्षिण कोरिया ने चौथे जासूसी उपग्रह कक्षा में प्रक्षेपित किया

सोल। दक्षिण कोरिया ने फ्लोरिडा स्थित अमेरिकी अंतरिक्ष अड्डे से अपने पांच सैन्य टोही उपग्रहों में से चौथे को सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया है। देश के रक्षा मंत्रालय ने यह जानकारी दी। इस उपग्रह को सोमवार को केप कैनावेरल स्पेस फोर्स स्टेशन से स्पेसएक्स फाल्कन 09 रॉकेट पर प्रक्षेपित किया गया। रॉकेट ने उड़ान भरने के 15 मिनट बाद उपग्रह को कक्षा में स्थापित कर दिया। बाद में उपग्रह ने एक ग्राउंड स्टेशन से संपर्क स्थापित किया। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, 'चौथे सैन्य टोही उपग्रह के सफल प्रक्षेपण ने हमारे सशस्त्र बलों की स्वतंत्र निगरानी और टोही क्षमताओं को और मजबूत किया है। तीन उपग्रहों के पिछले सफल प्रक्षेपणों के साथ दक्षिण कोरियाई सेना अब उन्हें एक समूह के रूप में संचालित कर सकती है, जिससे टोही पुनरीक्षण समय में काफी कमी आएगी।' बयान में कहा गया है, 'इससे उत्तर कोरिया द्वारा संभावित उकसावे का अधिक सटीक और समय पर पता लगाने में मदद मिलती है।' दक्षिण कोरिया ने दिसंबर 2023 में पहला टोही उपग्रह प्रक्षेपित किया था, जो उच्च-रिज़ॉल्यूशन इमेजरी के लिए इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल और इन्फ्रारेड सेंसर से लैस है। यह देश इस साल के अंत में अपना पाँचवाँ उपग्रह प्रक्षेपित करने की योजना बना रहा है। इन सभी उपग्रहों के प्रक्षेपित हो जाने के बाद यह देश हर दो घंटे में उत्तर कोरियाई क्षेत्र की निगरानी करने में सक्षम हो जाएगा।

भारत के ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने मुक्तिनाथ के दर्शन किए

काठमांडू। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और विदेश मंत्री डॉ. आरजू राणा ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों पर आतंकवादी हमले की निंदा की है। सोशल नेटवर्किंग साइट एक्स पर पीएम ओली ने पहलगाम में आतंकवादी हमले के पीड़ितों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने लिखा है कि नेपाल भारत के साथ दृढ़ता से खड़ा है और आतंकवाद के किसी भी और सभी कृत्यों की कड़ी निंदा करता है। प्रधानमंत्री ने सरकार से सभी आवश्यक सहायता प्रदान करने की प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए कहा कि पीड़ितों के बीच एक नेपाली नागरिक की रिपोर्ट को सत्यापित करने के लिए विभिन्न एजेंसियों के साथ घनिष्ठ समन्वय स्थापित किया गया है। इसी तरह नेपाल की विदेश मंत्री डॉ. आरजू राणा ने भी इस हमले की निंदा करते हुए शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने कहा है कि घायलों के शीघ्र और पूर्ण स्वस्थ होने के लिए अपनी गहरी शुभकामनाएं व्यक्त करते हैं।

लाहौर पुलिस पर हमला मामले में खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी

एजेंसी

लाहौर। लाहौर की एक आतंकवाद विरोधी अदालत(एटीसी) ने खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर के खिलाफ गैर-जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। यह कार्रवाई पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) द्वारा 05 अक्टूबर को लाहौर में आयोजित विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस पर हमले के मामले में की गई है अदालत ने पीटीआई के तीन अन्य वरिष्ठ नेताओं हम्माद अजहर, सईद सिंधु और शहबाज अहमद के खिलाफ भी गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। पुलिस के अनुसार, इन नेताओं को कई बार जांच में शामिल होने के लिए समन भेजा गया, लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। पुलिस का कहना है कि इन नेताओं के खिलाफ कई प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज है, जो 05 अक्टूबर 2024 को हुए विरोध प्रदर्शन से जुड़ी हैं। उस दिन पीटीआई कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच

गंभीर झड़पें हुई थीं, जिनमें कई कानून प्रवर्तन अधिकारी घायल हुए थे। यह विरोध प्रदर्शन पीटीआई के संस्थापक और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान द्वारा 30 सितंबर को दिए गए आह्वान का हिस्सा था। खान, जो उस समय जेल में थे, ने न्यायपालिका के समर्थन और प्रस्तावित न्यायिक संशोधन के खिलाफ देशभर में प्रदर्शनों की घोषणा की थी। इनमें फैसलाबाद, बहावलपुर, मियांवाली, इस्लामाबाद के डी-चौक और लाहौर के मीनार-ए-पाकिस्तान शामिल थे। उल्लेखनीय है कि 05 अक्टूबर को लाहौर एवं इस्लामाबाद में स्थिति तनावपूर्ण हो गई जब प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच हिंसक झड़पें हुईं। गृह मंत्री मोशिन नकवी के अनुसार, इस्लामाबाद के पास हुई झड़पों में 80 से अधिक पुलिसकर्मी घायल हुए। जबकि लाहौर में स्थिति और भी खराब थी, जहां प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच कई जगहों पर टकराव हुआ। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस का इस्तेमाल किया, लेकिन प्रदर्शनकारियों ने जोरदार विरोध जारी रखा। झड़पों में दर्जनों लोग घायल हुए, जिनमें पुलिसकर्मी और प्रदर्शनकारी दोनों शामिल थे। पुलिस अब इन नेताओं की गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई तेज कर रही है, जबकि अदालत ने उन्हें जल्द से जल्द गिरफ्तार कर अदालत में पेश करने का आदेश दिया है।

नेपाल के पूर्व उपप्रधानमंत्री रवि लामिछाने को सुप्रीम कोर्ट से नहीं मिली जमानत

एजेंसी

काठमांडू। सहकारी घोटाला मामले में पूर्व उपप्रधानमंत्री रवि लामिछाने को सुप्रीम कोर्ट से कोई राहत नहीं मिली है। कोर्ट की एकल खंडपीठ ने हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ दायर रिट पर आज की सुनवाई करते हुए कोई फैसला नहीं दिया। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) के अध्यक्ष रहे रवि लामिछाने की जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट की एकल खंडपीठ में सुनवाई करते हुए जस्टिस अब्दुल अजीज ने कहा कि इस मामले में संयुक्त पीठ सुनवाई करेगा। सुप्रीम कोर्ट से जमानत नहीं मिल पाने के बाद अब अगली सुनवाई तक उन्हें न्यायिक हिरासत में ही रहना होगा। लामिछाने इस समय बुटवल स्थित सुप्रीम सेविंग्स कोऑपरेटिव फ्रॉड मामले में आरोपित हैं। इससे पहले रूपनदेही जिला अदालत ने 1 करोड़ रुपये की जमानत पर उनकी रिहाई का आदेश दिया था। हालांकि, 4 अप्रैल को हाई कोर्ट तुलसीपुर की बुटवल पीठ ने जिला अदालत के फैसले को पलट दिया और निर्देश दिया कि लामिछाने को हिरासत में भेज दिया जाए।

पाकिस्तान ने पहलगाम आतंकी हमले पर मरहम लगाने के बहाने भारत के खिलाफ उगला जहर

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने भारत के जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले पर आज 'जहरबुझी' प्रतिक्रिया दी है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने इस पर बयान जारी किया है। विदेश मंत्रालय का यह बयान पाकिस्तान के लगभग सभी बड़े अखबारों की वेबसाइट पर उपलब्ध है। बयान में यह भी टिप्पणी की गई है कि पहलगाम भारतीय अवैध कब्जे वाले जम्मू और कश्मीर के अनंतनाग जिले में है। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार के अनुसार पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय का यह बयान 'भारतीय अवैध कब्जे वाले' जम्मू और कश्मीर के अनंतनाग जिले में हुई घटना के बारे में पूछे गए सवालों के जवाब में आया। बयान के अनुसार पाकिस्तान ने पर्यटकों की हत्या पर चिंता व्यक्त की और पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, 'हम अनंतनाग में हुए हमले में पर्यटकों की जान जाने से चिंतित हैं। हम मृतकों के परिजनों

के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हैं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं।' मंत्रालय के बयान के अनुसार, यह हमला क्षेत्र के मुख्य शहर श्रीनगर से लगभग 90 किलोमीटर दूर पहलगाम में हुआ। भारतीय पुलिस के अनुसार हमलावरों ने पर्यटकों के एक समूह पर घात लगाकर हमला किया और नजदीक से गोलियां चलाईं। इस हमले में तीन दर्जन से अधिक लोग घायल भी हुए। इनमें से कई की हालत गंभीर बनी हुई है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के बयान में भारतीय मीडिया पर निशाना साधा गया है। कहा गया है कि इस हमले के बाद भारतीय मीडिया ने झूठा और निराधार प्रचार करना शुरू कर दिया है।

माउंट एवरेस्ट आधार क्षेत्र में चहल-पहल बढ़ी, एक ही दिन पहुंचे 700 पर्यटक

एजेंसी

काठमांडू। दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट (सागरमाथा) क्षेत्र में एक ही दिन में लगभग 700 पर्यटक पहुंचे हैं। बड़ी संख्या में आगंतुकों के आगमन के साथ ही चहल-पहल बढ़ गई है। अधिकांश पर्यटक विदेशी हैं। इनमें से 608, जबकि घरेलू पर्यटक 92 थे। राष्ट्रीय उद्यान के रेंजर विवेक श्रेष्ठ ने बताया कि मंगलवार शाम पांच बजे तक खुम्बू क्षेत्र में पर्यटकों की संख्या 700 दर्ज की गई। सागरमाथा आधार शिविर में आने वाले सार्क राष्ट्र के पर्यटक से 1,500 रुपये शुल्क लिया जाता है जबकि अन्य देशों के प्रत्येक विदेशी से 3,000 रुपये लिए जाते हैं। नेपाली नागरिकों के लिए 100 रुपये का प्रवेश शुल्क जमा करना होता है। सागरमाथा पर्वतारोही टेम्बा छिरी शेर्पा ने बताया कि वसंत ऋतु की शुरुआत के साथ इस क्षेत्र में पर्यटकों की अच्छी तादाद देखी गई, जो इस पर्यटन सीजन के लिए सकारात्मक है। उन्होंने बताया कि पर्यटकों की बढ़ती संख्या के कारण इस क्षेत्र के सभी होटल भरे हुए हैं,

जिसके कारण नए आने वाले पर्यटकों को रहने के लिए होटलों में कमरे नहीं मिल रहे हैं। स्थानीय निकाय ने यहां के लोगों को अपने घर में होम स्टे की सुविधा देने की अपील की है। सागरमाथा आधार शिविर के निकट के लुक्ला एयरपोर्ट में मौसम साफ होने से उड़ानें लगातार हो रही है। तारा एयर के इंचार्ज अमृत मगर के अनुसार स्पष्ट मौसम के साथ लुक्ला के लिए हवाई उड़ानें बढ़ रही हैं। उन्होंने बताया कि हमने मौसम ठीक होने के कारण इस एयरपोर्ट पर विमानों की संख्या में बढ़ोतरी पर विचार किया जा रहा है।

जापान में डॉलर सात महीने में पहली बार 140 येन से नीचे आया

एजेंसी

टोक्यो। फेडरल रिजर्व के अध्यक्ष जेरोम पॉवेल की अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ब्याज दरों में कटौती न करने की आलोचना के बाद अमेरिकी डॉलर सितंबर के बाद पहली बार 140 येन से नीचे गिर गया। जापान की राजधानी टोक्यो में दोपहर करीब 2:30 बजे अमेरिकी डॉलर गिरकर 139.90 येन के आसपास आ गया।र शाम 5 बजे न्यूयॉर्क में यह 140.83-93 येन और टोक्यो में 140.55-57 येन पर कारोबार कर रहा था। जापान टुडे समाचार पत्र की वेबसाइट पर इस संबंध में प्रसारित खबर में कहा गया है कि जापान और संयुक्त राज्य अमेरिका के वित्त मंत्रियों के बीच इस सप्ताह वाशिंगटन में दोनों देशों की मुद्रा पर बातचीत होने की

उम्मीद है। जापान के वित्तमंत्री कात्सुनोबू काटो अंतरराष्ट्रीय बैठकों में हिस्सा लेने के लिए वाशिंगटन के लिए रवाना होंगे। यह वार्ता ऐसे समय में होगी जब ट्रंप ने जापान पर येन के मूल्य को कम करने की नीति अपनाने का आरोप लगाया है। हालांकि जापान सरकार उनके इस दावे को खारिज कर चुकी है। वाशिंगटन रवाना होने से पहले काटो ने कहा कि वह टैरिफ पर केंद्रित दोनों सरकारों के बीच व्यापक वार्ता के हिस्से के रूप में अमेरिकी ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट के साथ विनिमय दर के मुद्दों पर चर्चा करने का इरादा रखते हैं। वित्तमंत्री काटो बुधवार से 20 प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के समूह के वित्तमंत्रियों की दो दिवसीय बैठक में हिस्सा लेंगे। बैंक ऑफ जापान के गवर्नर काजुओ उएदा भी इस बैठक में शामिल होंगे। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय वार्ता गुरुवार को होने की संभावना है।

यूक्रेन के युद्ध विराम प्रस्ताव पर चर्चा करने की कोई ठोस योजना नहीं : क्रेमलिन

एजेंसी

मॉस्को। रूस ने कहा कि नागरिक बुनियादी ढांचे के खिलाफ दोनों पक्षों की ओर से किये जा रहे हमलों को रोकने के यूक्रेन के हालिया प्रस्ताव को लेकर रूस और यूक्रेन के बीच वार्ता के लिए कोई विशेष योजना नहीं है। रूसी राष्ट्रपति कार्यालय 'क्रेमलिन' के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पुष्टि की है कि वह इस मुद्दे पर चर्चा करने के लिए तैयार हैं। इस मामले में हालांकि कोई विशेष विवरण नहीं दिया गया है। श्री पेसकोव ने आतंकवादियों द्वारा बैठक के लिए नागरिक सुविधा का उपयोग करने का उदाहरण देते हुए प्रस्ताव की बारीकियों की ओर इशारा किया, जैसे कि नागरिक बुनियादी ढांचा कब सैन्य लक्ष्य बनाया जा सकता है। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने रविवार को कम से कम 30 दिन के लिए नागरिक बुनियादी ढांचे पर लंबी दूरी के ड्रोन और मिसाइलों के उपयोग वाले किसी भी हमले को रोकने का

प्रस्ताव रखा। श्री पुतिन ने हालांकि कहा कि यूक्रेन के प्रस्ताव की जांच की आवश्यकता है और इस मुद्दे पर संभावित रूप से द्विपक्षीय वार्ता के माध्यम से चर्चा की जा सकती है।

पोप फ्रांसिस का अंतिम संस्कार शनिवार को, वेटिकन ने की घोषणा

एजेंसी

वेटिकन सिटी। पोप फ्रांसिस का अंतिम संस्कार शनिवार को होगा। वेटिकन ने कहा कि उनके पार्थिव शरीर को कल सुबह सेंट पीटर बेसिलिका में स्थानांतरित कर दिया जाएगा, ताकि शनिवार को होने वाले उनके अंतिम संस्कार से पहले श्रद्धालु उन्हें श्रद्धांजलि दे सकें।एनबीसी न्यूज और वेटिकन न्यूज के अनुसार, होली सी प्रेस कार्यालय ने घोषणा की कि पोप फ्रांसिस का अंतिम संस्कार शनिवार सुबह 10 बजे सेंट पीटर स्क्वायर में होगा। अंतिम संस्कार की रस्में कार्डिनल कॉलेज के डीन कार्डिनल जियोवानी बैटिस्टा रे की निगरानी में शुरू होंगी। इस दौरान दुनिया भर के पैट्रिआर्क, कार्डिनल, आर्कबिशप, बिशप और पुजारी मौजूद रहेंगे। यूचरिस्टिक उत्सव का समापन अल्टिमा कमेंडेटियो और वेलेडिक्टियो के साथ होगा। यह उत्सव पोप फ्रांसिस की आत्मा की शांति के लिए नौ दिनों के शोक और सामूहिक प्रार्थना की शुरुआत को चिह्नित करता है। इसके बाद पोप के पार्थिव शरीर को सेंट पीटर बेसिलिका और फिर सेंट मैरी मेजर बेसिलिका में समाधि स्थल पर ले जाया जाएगा।

एनबीसी न्यूज के अनुसार, पवित्र रोमन चर्च के कैमरलेंगो कार्डिनल केविन फैरेल 23 अप्रैल को प्रार्थना अनुष्ठान की अध्यक्षता करेंगे। यह अनुष्ठान सुबह नौ बजे शुरू होगा। होली सी प्रेस कार्यालय के अनुसार, अंतिम यात्रा सांता मार्टा स्क्वायर और रोमन प्रोटोमार्टियर्स स्क्वायर से होकर गुजरेगी। इसके बाद अंतिम यात्रा आर्क ऑफ द बेल्स से होते हुए सेंट पीटर स्क्वायर में प्रवेश करेगी और वहां से केंद्रीय द्वार से गुजरते हुए वेटिकन बेसिलिका में प्रवेश करेगी। कन्फेशन की वेदी पर कार्डिनल कैमरलेंगो वचन की आराधना की अध्यक्षता करेंगे। इस बीच पोप फ्रांसिस के निधन के बाद अमेरिकी कार्डिनल केविन फैरेल वेटिकन के कार्यवाहक प्रमुख बन गए। डबलिन में जन्मे पादरी केविन को देश में कई साल बिताने के बाद अमेरिकी नागरिक के रूप में मान्यता दी गई। फैरेल को 1984 में वाशिंगटन के आर्चडायोसिस में शामिल किया गया था और वे डलास के पूर्व बिशप हैं। फ्रांसिस ने 2016 में उन्हें कार्डिनल घोषित किया था। 2023 में उन्हें वेटिकन के सुप्रीम कोर्ट का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। कार्डिनल अभी चैंबरलेन (कैमरलेंगो) का पद संभालते हैं। उन्हें पोप का मजबूत उत्तराधिकारी माना जाता है।

फाउंडेशन फॉर इंडिया एंड इंडियन डायस्पोरा स्टडीज ने पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की निंदा की

एजेंसी

वाशिंगटन। भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिकों के संगठन 'फाउंडेशन फॉर इंडिया एंड इंडियन डायस्पोरा स्टडीज' ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए भयानक आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की है। संगठन की यहां जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि 22 अप्रैल को, जिहादी आतंकवादियों ने कश्मीर के पहलगाम में नागरिकों पर क्रूरतापूर्वक हमला किया, जिसमें कम से कम 28 लोग मारे गए, जिनमें से लगभग सभी हिंदू थे जिन्हें सोची समझी साजिश के तहत पहले धर्म की पहचान पूछी गई और फिर निशाना बनाया गया।प्रारंभिक खुफिया जानकारी से पता चलता है कि हमला संभवतः पाकिस्तान के समर्थन से संचालित समूहों द्वारा किया गया था, जिसका भारत में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से आतंकवाद को प्रायोजित करने का लंबा रिकॉर्ड है। पिछले सात दशकों में, भारत में इस्लामी आतंकवाद के कारण एक लाख से अधिक लोग मारे गए हैं या विस्थापित हुए हैं, जिनमें से अधिकांश हिंदू और सिख हैं, यह एक मानवीय त्रासदी है जिसकी बहुत कम रिपोर्टिंग की गई है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि यह नया हत्याकांड न केवल भारत का अपमान है, बल्कि अमेरिका का भी अपमान करने का एक कायराना प्रयास है, खासकर तब, जब अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस वर्तमान में दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्रों के बीच संबंधों को मजबूत करने के लिए भारत की आधिकारिक यात्रा पर हैं। इससे पहले मार्च 2000 में राष्ट्रपति बिल क्लिंटन की भारत यात्रा के दौरान भी इसी तरह का घातक हमला किया गया था, जिसमें कश्मीर के छत्तीसिंहपुरा नामक गाँव में 36 सिख मारे गए थे। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और अन्य विश्व नेताओं ने इस कायराना हमले की कड़ी निंदा की है और भारत के साथ एकजुटता व्यक्त की है। संगठन ने कहा कि हम वैश्विक समुदाय से शब्दों से आगे बढ़कर एकजुट होने और आतंकवाद को खत्म करने और इसे प्रायोजित करने वाले राज्यों को दंडित करने के लिए निर्णायक कार्रवाई करने का आग्रह करते हैं। विशेष रूप से, हम उन देशों पर प्रतिबंध लगाने का आह्वान करते हैं जो आतंकवादी समूहों को पनाह और समर्थन देना जारी रखते हैं। हम इस जघन्य हमले की तुरंत निंदा करने के लिए अमेरिकी प्रतिनिधि सभा को धन्यवाद देते हैं। हम अमेरिकी कांग्रेस से सभी आतंकवाद की निंदा करने और अपने नागरिकों की रक्षा करने के भारत के अधिकार का समर्थन करने के लिए एक औपचारिक प्रस्ताव पारित करने का भी आग्रह करते हैं।

अमेरिका टैरिफ पर चीन के साथ समझौता करेगाः ट्रम्प

वाशिंगटन ।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि उन्हें उम्मीद है कि वाशिंगटन और बीजिंग टैरिफ समझौते पर पहुंचेंगे। श्री ट्रम्प ने संवाददाताओं से कहा, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ मेरे संबंध बहुत अच्छे हैंज यह लंबे समय से बहुत अच्छे रहे हैं। हमारे बीच बहुत अच्छे संबंध रहे हैं। और मुझे लगता है कि हम चीन के साथ समझौता करेंगे। अगर हम समझौता नहीं करते हैं, तो

हम इसे तय करेंगे। हम बस संख्या तय करेंगे। श्री ट्रम्प ने 2 अप्रैल को चीन सहित अन्य देशों से आयात पर पारस्परिक टैरिफ शुरू करने वाले एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए। अमेरिका में चीनी निर्यातकों के लिए शुल्क अब 145 प्रतिशत तक पहुंच गया है, जबकि चीन के लिए अमेरिकी आपूर्तिकर्ताओं के लिए दर 125 प्रतिशत है। कुछ विशेषज्ञों ने बताया कि शुल्क के इस स्तर का मतलब दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच व्यापार में वास्तविक रुकावट है।

सऊदी अरब आज भारत के सबसे मूल्यवान साझेदारों में से एक : प्रधानमंत्री मोदी

जेद्दा। भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सऊदी अरब के साथ भारत के बढ़ते संबंधों की 'असीमित क्षमता' की प्रशंसा की है। वे दो दिवसीय यात्रा पर आज जेद्दा पहुंचे हैं। 2016 के बाद से यह उनकी सऊदी अरब की तीसरी यात्रा है। सऊदी अरब के वायु क्षेत्र में पहुंचने पर विशेष सम्मान देते हुए सऊदी वायु सेना के लड़ाकू विमानों ने प्रधानमंत्री के विमान को एस्कॉर्ट प्रदान किया। सऊदी अरब के जेद्दा पहुंचने पर पीएम मोदी का 21 तोपों की सलामी दी गई और 'ऐ वतन मेरे वतन' गीत के साथ जोरदार स्वागत किया गया। समाचार पत्र के साथ विशेष साक्षात्कार में उन्होंने सऊदी अरब को 'एक भरोसेमंद दोस्त और रणनीतिक सहयोगी' बताया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि 2019 में रणनीतिक भागीदारी परिषद के गठन के बाद से द्विपक्षीय संबंधों में काफी विस्तार हुआ है। इस इंटरव्यू में प्रधानमंत्री मोदी ने खुलकर अपने दिल की बात कही।

हमारा रिश्ता स्थिर

भारत के प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'हमारी साझेदारी में असीम क्षमता है। अनिश्चितता से भरी दुनिया में हमारा रिश्ता स्थिरता के स्तंभ के रूप में मजबूती से खड़ा है।' उन्होंने सऊदी क्राउन प्रिंस और प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन सलमान के नेतृत्व की प्रशंसा की। प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें 'द्विपक्षीय संबंधों का मजबूत समर्थक और एक दूरदर्शी व्यक्ति बताया।' प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उन्होंने विजन 2030 के तहत सुधारों के जरिए वैश्विक प्रशंसा को प्रेरित किया है।

वैश्विक चुनौतियों के बावजूद दोनों देशों के बीच व्यापार बढ़ा

उन्होंने कहा, 'जब भी मैं उनसे मिला हूं, महामहिम ने मुझ पर गहरी छाप छोड़ी है। उनकी अंतर्दृष्टि, उनकी दूरदर्शी दृष्टि और अपने लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने का उनका जुनून वास्तव में उल्लेखनीय है।' प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वैश्विक चुनौतियों के बावजूद दोनों देशों के बीच व्यापार बढ़ा है। इसमें ऊर्जा, कृषि और उर्वरक प्रमुख क्षेत्र हैं। उन्होंने सऊदी और भारतीय व्यवसायों के बीच गहन एकीकरण का स्वागत किया, विशेष रूप से हरित हाइड्रोजन और प्रौद्योगिकी जैसे उभरते क्षेत्रों के लिए इस महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा, 'भारतीय कंपनियों ने सऊदी अरब में विभिन्न क्षेत्रों में अपनी मजबूत उपस्थिति बनाए रखी है।'

प्रधानमंत्री मोदी ने विश्व एक्सपो 2030 और फीफा विश्व कप 2034 की मेजबानी के लिए बोली जीतने के लिए किंगडम को बधाई दी और इस दोहरी सफलता को 'बहुत गर्व' की बात बताया। उन्होंने बढ़ते रक्षा सहयोग और ऐतिहासिक संयुक्त सैन्य अभ्यासों को बढ़ते रणनीतिक विश्वास के संकेत के रूप में भी इंगित किया। सितंबर 2023 में जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान शुरू किए गए भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह परियोजना 'पूरे क्षेत्र में वाणिज्य, संपर्क और विकास का एक प्रमुख उत्प्रेरक' होगी।

हमारा संबंध नया नहीं, यह सभ्यागत आदान-प्रदान में निहित

प्रधानमंत्री मोदी अरब न्यूज के एक सवाल पर कहा कि हमारा संबंध नया नहीं है। यह सदियों पुराने सभ्यतागत आदान-प्रदान में निहित है। विचारों से लेकर व्यापार तक, हमारे दो महान देशों के बीच निरंतर प्रवाह रहा है। 2014 से हमारे संबंध लगातार बेहतर होते जा रहे हैं। मुझे याद है कि 2016 में मुझे महामहिम किंग सलमान से किंग अब्दुल अजीज का सम्मान प्राप्त हुआ था। 2019 में रणनीतिक भागीदारी परिषद का गठन एक बड़ी उपलब्धि थी। तब से हमारे बीच सहयोग कई क्षेत्रों में फैल गया है। यह तो बस शुरुआत है। हमारी भागीदारी में असीम संभावनाएं हैं।

हॉकी इंडिया ने ज्ञान विनिमय सत्र के लिए ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी के छात्रों की मेजबानी की

एजेंसी

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने सोनीपत स्थित ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी के छात्रों के एक समूह का नई दिल्ली स्थित अपने मुख्यालय में एक संवाद सत्र के लिए स्वागत किया। जीतेंद्रनाथ मिश्रा (पीएच.डी., भारतीय विदेश सेवा, सेवानिवृत्त)और डिप्लोमैटिक प्रैक्टिस के प्रोफेसर के नेतृत्व में इस दौरे का उद्देश्य शासन और कूटनीति में खेलों की भूमिका के बारे में समझ को गहरा करना था। सत्र के दौरान हॉकी इंडिया के अधिकारियों ने छात्रों से संवाद किया और कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। इनमें संघ का आंतरिक शासन, भारत की वैश्विक हॉकी में उपस्थिति, अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) के साथ संबंध, लिंग समानता के लिए समर्थन, गरीब खिलाड़ियों के लिए सहायता और भारतीय हॉकी में जमीनी स्तर पर विकास शामिल थे। इस प्रकार की पहलों के माध्यम से हॉकी इंडिया शैक्षिक कार्यक्रमों का समर्थन करता है जो समाज में खेलों की भूमिका पर चर्चा और सीखने को बढ़ावा देते हैं।

बाबा दीप सिंह बास्केटबॉल टूर्नामेंट में लेडी श्री राम कॉलेज ने की विजयी शुरुआत

नई दिल्ली। लेडी श्री राम कॉलेज और रामजस कॉलेज ने पीएसपीबी बाबा दीप सिंह बास्केटबॉल टूर्नामेंट में अपने अभियान की विजयी शुरुआत की है। महिला वर्ग में लेडी श्री राम कॉलेज ने किरोड़ी मल को 38-28 से हराया और प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड लेडी श्रीराम कॉलेज की अन्वी को मिला। रामजस कॉलेज ने हंसराज कॉलेज को 39-28 से हराया और रामजस कॉलेज की अनीका प्लेयर ऑफ द मैच बनीं। पुरुष वर्ग में हंसराज कॉलेज ने रामजस कॉलेज को 54-40 से हराया और हंसराज कॉलेज के अनुभव प्लेयर ऑफ द मैच बने। किरोड़ी मल कॉलेज ने दयाल सिंह कॉलेज को 54-51 से हराया और प्लेयर ऑफ द मैच किरोड़ी मल कॉलेज के अनस बने। श्री गुरु तेग बहादुर खालसा कॉलेज ने भारत अकादमी को 69 -63 से हराया और विजई टीम के नितिन हुडा को प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड मिला। हॉकी प्रतियोगिता के चौथे दिन पुरुष वर्ग में मैच में इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेज ने किरोड़ी मल कॉलेज को 7-0 से हराया।इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेज की तरफ पुलकित शर्मा ने 4 गोल और गुरमुख सिंह, भूपिंदर एवं चिरंजीव ने एक-एक गोल किए। प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट के पुलकित शर्मा को मिला।

मुजारबानी ने बंगलादेश को दूसरी पारी में 255 पर समेटा, जिम्बाब्वे को मिला 174 का लक्ष्य

सिलहट। ब्लेसिंग मुजारबानी (छह विकेट) की घातक गेंदबाजी के दम पर जिम्बाब्वे ने पहले टेस्ट मैच के चौथे दिन बंगलादेश की टीम को दूसरी पारी में 255 के स्कोर पर समेट दिया है। पहली पारी में मिली बढ़त के आधार पर जिम्बाब्वे को जीत के लिए 174 रन बनाने है। बंगलादेश ने कल के चार विकेट पर 194रन से आगे खेलना शुरु किया। सुबह के सत्र की शुरुआत में ही ब्लेसिंग मुजारबानी ने कप्तान नजमुल शान्तो (60) को आउट कर जिम्बाब्वे के लिए अच्छी शुरुआत की। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये मेहदी हसन मिराज (11) को भी मुजारबानी ने अपना शिकार बनाया। जिम्बाब्वे की घातक गेंदबाजी के आगे आज बंगलादेश ने 61 रन जोड़ कर अपने छह विकेट गवां दिये। रिचर्ड एन्गरावा ने तैजुल इस्लाम (एक) को आउट किया। हसन महमूद (12), खालिद अहमद (शून्य) को वेलिंग्टन मसाकाद्जा का शिकार बने। इस दौरान जाकेर अली एक छोर थामे रन बनाते रहे और उन्होंने अपना अर्धशतक पूरा किया। मुजारबानी ने 80वें ओवर की दूसरी गेंद पर जाकेर अली (58) को आउटकर बंगलादेश की पारी को 255 के स्कोर पर समेट दिया। जिम्बाब्वे को जीत के लिए 174 रन बनाने है।

आईपीएल ने भारत में क्रिकेट के प्रति जुनून को दी हवा

लखनऊ। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) ने क्रिकेट के दीवाने देश भारत में क्रिकेट के प्रति जुनून को हवा दी है और दीवानगी का आलम यह है कि 47 फीसदी भारतीय दर्शक स्टेडियम में जाकर लाइव मैच देखना चाहते हैं जिसके लिये शहर ही नहीं बल्कि अन्य प्रदेश अथवा विदेश यात्रा करने वालों की भी कोई कमी नहीं है। एक रिपोर्ट के अनुसार 50 फीसदी भारतीय क्रिकेट मैच के बाद शहर देखने के लिए अपनी यात्रा 3-4 दिन बढ़ाना चाहते हैं। क्रिकेट देखने के लिए यात्रा की सूची में ऑस्ट्रेलिया और भारत में सबसे ऊपर मुंबई है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि 80 फीसदी भारतीय इस सीजन में आईपीएल मैच लाइव देखना चाहते हैं। लीडिंग ग्लोबल ट्रैवल ऐप स्काईस्कैनर ने अपनी 'पिच परफेक्ट जर्नीज़' रिपोर्ट जारी की। इस रिपोर्ट के मुताबिक भारतीयों की यात्रा में क्रिकेट की अहम भूमिका रहने वाली है।

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई ओपनर कीथ स्टैकपोल का 84 वर्ष की उम्र में निधन

एजेंसी

मेलबर्न। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट ओपनर कीथ स्टैकपोल का 84 वर्ष की उम्र में हार्ट अटैक से निधन हो गया है। उन्होंने अपने करियर में 43 टेस्ट मैच खेले और 7 शतक लगाए थे। स्टैकपोल ने ना सिर्फ बल्ले से बल्कि गेंद से भी टीम के लिए योगदान दिया और बाद में एक लोकप्रिय टीवी व रेडियो कमेंटेटर भी बने।

मिडिल ऑर्डर से ओपनर बनने तक का सफर

स्टैकपोल ने 1966 में इंग्लैंड के खिलाफ मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज और लेग स्पिन गेंदबाज के रूप में टेस्ट डेब्यू किया था। लेकिन 1969 की शुरुआत में उन्हें ओपनिंग की जिम्मेदारी दी गई, जहां उन्होंने बिल लॉरी के साथ मजबूत जोड़ी बनाई। कीथ स्टैकपोल ने अपना पहला टेस्ट शतक साउथ अफ्रीका के खिलाफ केपटाउन में लगाया था, जबकि

उनका सर्वोच्च स्कोर 207 रन इंग्लैंड के खिलाफ 1970 में गाबा (ब्रिस्बेन) में आया। इंग्लैंड के खिलाफ उनका प्रदर्शन बेहद शानदार रहा—उन्होंने 55.21 की औसत से रन बनाए और तीन शतक जमाए। 1972 की एशेज सीरीज में वे इयान चैपल के उपकप्तान थे और सबसे ज्यादा 485 रन बनाए थे। इसके चलते उन्हें 1973 में विज्डन क्रिकेटर ऑफ द ईयर भी चुना गया।

अनोखे अंदाज में टेस्ट करियर का अंत

1974 में न्यूज़ीलैंड के खिलाफ ऑकलैंड में उन्होंने अपने करियर का आखिरी टेस्ट खेला, जिसमें वे दोनों पारियों में खाता भी नहीं खोल पाए। पहली ही गेंद पर फुल टॉस पर आउट होकर उन्होंने लिखा था– मैंने गेंद को सिर के पास एक गज की दूरी पर देखा और पीछे हट गया, लेकिन बैट के किनारे से लगकर गेंद स्लिप में चली गई। शायद टेस्ट क्रिकेट का पहला मौका था जब कोई बिना गेंद ज़मीन पर गिरे आउट हो गया!

पहले वनडे में भी निभाई थी भूमिका

स्टैकपोल ने 1971 में खेले गए पहले-द्ग1द्गह्न वनडे मैच में भी हिस्सा लिया था, जहां उन्होंने एमसीजी में 3 विकेट लेकर 40 रन दिए थे।

संपूर्ण करियर और बाद का योगदा: स्टैकपोल ने फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में 10,100 रन बनाए और 148 विकेट लिए। संन्यास के बाद वे टीवी और रेडियो कमेंट्री की दुनिया में एक जाना-माना नाम बन गए।

ग्लोबल इंडियन प्रवासी कबड्डी लीग: तमिल लायंस, भोजपुरी लेपर्ड्स और पंजाबी टाइगर्स की रोमांचक जीत

एजेंसी

गुरुग्राम। गुरुग्राम यूनिवर्सिटी में जारी ग्लोबल इंडियन प्रवासी कबड्डी लीग (जीआई-पीकेएल) के खेले गए पुरुष वर्ग के मुकाबलों में तमिल लायंस, भोजपुरी लेपर्ड्स और पंजाबी टाइगर्स ने शानदार जीत दर्ज की। 13 दिवसीय यह लीग पिछले सप्ताह शुरू हुई थी और इसका फाइनल मुकाबला 30 अप्रैल को आयोजित होगा। लीग के पांचवें दिन हरियाणा के वरिष्ठ भाजपा नेता भानी राम मंगला ने उपस्थिति दर्ज कर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया और बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया। दिन के पहले मुकाबले में तमिल लायंस ने मराठी वल्चर्स को कड़े मुकाबले में 41-38 से मात दी। तमिल लायंस की ओर से 23 रेड प्वाइंट और तीन सुपर टैकल किए गए, जबकि मराठी वल्चर्स ने 20 रेड प्वाइंट और चार ऑल-आउट के साथ कड़ा मुकाबला किया। अंतिम क्षणों में तमिल की रक्षात्मक मजबूती ने उन्हें तीन अंकों की रोमांचक जीत दिलाई।

दूसरे मुकाबले में भोजपुरी लेपर्ड्स ने तेलुगु पैंथर्स को 43-41 से हराया। मैच बेहद कड़ा रहा, जिसमें तेलुगु पैंथर्स ने अधिक रेड प्वाइंट (27) बटोरे, लेकिन भोजपुरी लेपर्ड्स की टैकलिंग (16 अंक) और निर्णायक ऑल-आउट ने उन्हें जीत दिलाई। दोनों टीमों ने एक-एक सुपर रेड किया, लेकिन भोजपुरी की संतुलित रणनीति ने उन्हें इस हाई-वोल्टेज मुकाबले में जीत दिलाई। दिन के अंतिम मुकाबले में पंजाबी टाइगर्स ने दमदार प्रदर्शन करते हुए हरियाणवी शार्क्स को 64-47 से शिकस्त दी।

प्रीमियर लीग: इंजरी टाइम में नून्स के गोल से मैनचेस्टर सिटी ने एस्टन विला को 2-1 से हराया

एजेंसी

मैनचेस्टर। इंग्लिश प्रीमियर लीग में रात खेले गए रोमांचक मुकाबले में मैनचेस्टर सिटी ने मातेउस नून्स के इंजरी टाइम में किए गए गोल की बदौलत एस्टन विला को 2-1 से हराकर चैंपियंस लीग की दौड़ में अपनी उम्मीदों को मजबूती दी।

अंतिम लम्हों में छिना विला का जीत का सपना

मैच ड्रॉ की ओर बढ़ रहा था जब मार्कस रैशफोर्ड के पेनल्टी गोल ने पहले हाफ में बर्नार्डो सिल्वा के शुरुआती गोल को बराबर कर दिया था। लेकिन 94वें मिनट में जेरमी डोकू के शानदार क्रॉस पर नून्स ने गोल दागते हुए सिटी को जीत दिला दी।

अंकतालिका में तीसरे स्थान पर पहुंची सिटी

इस जीत के साथ मैनचेस्टर सिटी ने दो स्थान की छलांग लगाते हुए 61 अंकों के साथ तीसरा स्थान हासिल कर लिया है। हालांकि, उनके पीछे की तीन टीमें एक-एक मैच कम खेली हैं। वहीं, एस्टन विला 57 अंकों के साथ सातवें स्थान पर कायम है और उसकी एतिहाद स्टेडियम में हार की यह लगातार 15वीं शिकस्त है।

बर्नार्डो सिल्वा ने दिलाई शुरुआती बढ़त

मैच के 7वें मिनट में उमर मर्मूश ने विला के राइट बैक मैटी कैश को छकाकर गेंद बर्नार्डो सिल्वा को दी, जिन्होंने गोलकीपर एमिली मार्टिनेज के हाथों को चीरते हुए गेंद को नेट में पहुंचा दिया।

रैशफोर्ड ने पेनल्टी से दिलाई बराबरी

विला की वापसी 18वें मिनट में हुई जब वीएआर जांच के बाद सिटी के डिफेंडर रूबेन डायस को जैकब रैम्से को पीछे से टक्कर मारने का दोषी पाया गया। इस पर मिली पेनल्टी को मार्कस रैशफोर्ड ने बड़ी सहजता से गोल में बदलते हुए स्कोर 1-1 कर दिया।

धर्मशाला में चार मई को खेले जाने वाले मैच की टिकटों की ऑनलाइन बिक्री शुरू

एजेंसी

धर्मशाला। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम धर्मशाला में होने वाले आईपीएल के तीन मैचों में से अब तक चार मई को खेले जाने वाले पहले मैच की टिकटें बिकना शुरू हुई हैं। पंजाब और लखनऊ के बीच मैच की टिकटों की ऑनलाइन बिक्री एक दिन चलने के बाद शाम तक कमिंग सून में पहुंच गई है। अब दर्शकों को टिकट खरीदने के लिए इंतजार करना पड़ रहा है।

जबकि पंजाब के दिल्ली व मुंबई के साथ होने वाले मुकाबलों के टिकट अभी तक ऑनलाईन मिलना शुरू नहीं हुए हैं। दूसरी ओर ऑफलाईन कांउटर धर्मशाला में लगाए जाने को लेकर भी कोई सहमति नहीं बन पाई हैं। ऑनलाईन डिस्ट्रिक ऐप्प में 1200 रुपए से टिकट के दाम शुरू हो रहे हैं। इसके बाद बाद 1500, 3500 और 6000 रुपए से लेकर 20 हज़ार तक दाम पेवेलियन टैरेस और क्लब लॉज के टिकटों के होंगे। इसमें वेस्ट स्टैंड-तीन 1200, ईस्ट स्टैंड-एक 1500, नॉर्थ-एक लेवल-एक व लेवल दो के दो हजार दाम रखे गए हैं। उधर,

वेस्ट स्टैंड-दो 1500 रुपए, नॉर्थ वेस्ट स्टैंड 1500 रुपए, ईस्ट स्टैंड-दो 1500, वेस्ट स्टैंड-एक छह हज़ार, नॉर्थ-एक स्टैंड, 1500, नॉर्थ-दो स्टैंड 1500, ईस्ट स्टैंड-थ्री छह हज़ार, नार्थ पैवेलियन 3500, एचपीसीए सचिव अवनीश परमार ने बताया कि टिकटों की ऑनलाईन बिक्री शुरू हो गई है। ऑफलाईन टिकट कांउटर को लेकर फ्रैंचाईजी से बात की जाएगी, जिसके बाद कांउटर लगाया जाएगा।

28वीं राष्ट्रीय सीनियर एथेलेटिक्स चैम्पियनशिप में मप्र के पोल वोल्ट खिलाड़ी देव मीणा ने जीता स्वर्ण पदक

एजेंसी

भोपाल। दक्षिण भारतीय राज्य केरल के कोच्चि शहर में 21 से 24 अप्रैल तक आयोजित 28वें राष्ट्रीय फेडरेशन सीनियर एथेलेटिक्स चैम्पियनशिप 2025 में मप्र राज्य एथेलेटिक्स अकादमी के पोल वोल्ट खिलाड़ी देव मीणा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। उन्होंने प्रतियोगिता में 5.35 मी की छलांग लगाकर नया राष्ट्रीय रिकार्ड अपने नाम किया। देव ने अपना ही राष्ट्रीय रिकार्ड 5.32मी को तोड़कर 5.35 मी. की छलांग लगाते हुये नया राष्ट्रीय रिकार्ड कायम किया है। 28वें राष्ट्रीय फेडरेशन सीनियर एथेलेटिक्स चैम्पियनशिप 2025 में पोल वोल्ट के मुकाबले खेले गए। इनमें मप्र के देव मीणा ने 5.35 मीटर की छलांग लगाकर स्वर्ण पदक जीता। वहीं तमिलनाडु के एम. ग्वाथम ने 5.15 मी छलांग लगाकर रजत और तमिलनाडु के ही रीगन जी. ने 5.10 मी छलांग लगाकर कांस्य पदक अपने नाम किया।

खेल मंत्री सारंग ने बधाई

प्रदेश के खेल मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने पोल वोल्ट खिलाड़ी देव मीणा को बधाई दी है। उन्होंने देव मीणा की सराहना करते हुये बताया कि उन्होंने अपना ही राष्ट्रीय रिकार्ड तोड़कर नया राष्ट्रीय रिकार्ड बनाया है। देव प्रदेश के नये स्टार बन गये है। उन्होंने 5.35 मी की छलांग लगाकर नया राष्ट्रीय रिकार्ड बनाया है। खेल एवं युवा कल्याण संचालक राकेश गुप्ता ने भी देव को बधाई दी है। उन्होंने विभाग द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रशिक्षक की भी सराहना की है, जिनकी देखरेख में देव के कठिन परिश्रम कर लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे है और नये रिकार्ड बना रहे हैं। ईसाइ धर्म गुरू पोप फ्रांसिस का निधन हो जाने के कारण भारत सरकार ने तीन दिवसीय राष्ट्रीय शोक घोषित किया है।

आईपीएल न खेल पाने का मलाल: क्रिकेटर मोहसिन खान

एजेंसी

मुरादाबाद। चोट की वजह से आईपीएल के मौजूदा संस्करण से बाहर हुए संभल के तेज गेंदबाज मोहसिन खान मुम्बई में सर्जरी कराकर घर लौट आए हैं। मोहसिन ने मीडिया कर्मियों से कहा कि आईपीएल न खेल पाने का मलाल तो है, लेकिन वह सिर्फ मैदान से दूर हैं। उनका दिल अब भी टीम के साथ जुड़ा हुआ है। टीम उनके लिए परिवार की तरह है।

टीम ने मुश्किल दौर में भी उनका साथ दिया है। वह रिकवर होकर उसी जोश के साथ मैदान में लौटेंगे। आईपीएल-2025 में चोटिल हुए तेज गेंदबाज मोहसिन खान ने बीते 09 अप्रैल को मुंबई में सर्जरी कराई। अब वह अपने गृह जनपद संभल लौट चुके हैं। डॉक्टरों ने उन्हें पांच महीने तक मैदान से दूर रहने और आराम करने की सलाह दी है। मोहसिन खान को आईपीएल-2025 में लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से खेलना था। फ्रेंचाइजी ने उन्हें चार करोड़ रुपये में रिटेन किया था। इससे पहले आईपीएल-2022 की नीलामी में मोहसिन को फ्रेंचाइजी ने 20 लाख रुपये में अपनी टीम में शामिल किया था। मोहसिन ने 2022 से 2024 तक कुल 23 मैच खेले और इसमें से कई मैचों में उन्होंने मैच जिताऊ प्रदर्शन किया। इन 23 मैचों में उन्होंने कुल 27 विकेट अपने नाम किए। मोहसिन खान के इस शानदार प्रदर्शन पर फ्रेंचाइजी ने इस वर्ष मेगा नीलामी में उन्हें चार करोड़ रुपये में रिटेन किया था।

ओल्मो के गोल से बार्सिलोना ने मल्लोर्का को हराया

एजेंसी

बार्सिलोना। बार्सिलोना ने ला लीगा खिताब की ओर एक और मजबूत कदम बढ़ाते हुए मंगलवार देर रात मल्लोर्का को 1-0 से हराया। इस जीत के साथ ही शीर्ष पर काबिज बार्सिलोना ने दूसरे स्थान पर मौजूद रियल मैड्रिड पर अपनी बढ़त सात अंकों की कर ली है।

ओल्मो ने दिलाई अहम जीत, रियल पर दबाव

स्पेन के इंटरनेशनल डानी ओल्मो के गोल ने बार्सिलोना को जीत दिलाई और मौजूदा चैंपियन रियल मैड्रिड पर दबाव बढ़ा दिया। रियल का अगला मुकाबला बुधवार को गेटाफे के खिलाफ है। हांसी फ्लिक की टीम अब संभावित 'क्वाड्रपल' (चार खिताब) की ओर देख रही है।

कई स्टार प्लेयर्स को मिला आराम, फाती को मिला पहला स्टार्ट: होने वाले कोपा डेल रे फाइनल से पहले कोच फ्लिक ने कई प्रमुख खिलाड़ियों को आराम दिया। अक्टूबर के बाद पहली बार अंसु

फाती को शुरुआत करने का मौका मिला। वहीं हेक्तर फोर्ट को डिफेंस के बाएं ओर और फेरान टोरेस को चोटिल लेवांडोव्स्की की जगह आक्रमण में उतारा गया।

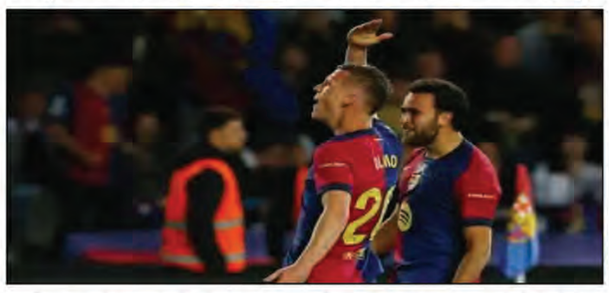

पहले हाफ में कई मौके, लेकिन गोल नहीं

बार्सिलोना ने पहले हाफ में एक के बाद एक मौके बनाए, लेकिन गोल नहीं हो सका। गावी का शॉट पोस्ट से टकराया, वहीं टोरेस और फाती ने आसान मौके गंवाए। युवा खिलाड़ी लामिन यामाल और फोर्ट के प्रयासों को भी मल्लोर्का के गोलकीपर लियो रोमान ने शानदार तरीके से रोका।

दूसरे हाफ में ओल्मो ने तोड़ी खामोशी

दूसरे हाफ की शुरुआत में बार्सिलोना ने पासिंग मूव से खेलते हुए ओल्मो के जरिए बढ़त हासिल की। इसके बाद फाती और यामाल ने बढ़त दोगुनी करने की कोशिश की, लेकिन रोमान की जबरदस्त गोलकीपिंग के आगे बार्सिलोना को एक और गोल नहीं मिल सका।

रोमान की शानदार वापसी, लेकिन टीम को नहीं मिला पॉइंट

यह 2025 में मल्लोर्का के लिए रोमान का पहला लीग मैच था और उन्होंने 10 शानदार सेव किए। उन्होंने यामाल, एरिक गार्सिया और लोपेज़ के प्रयासों को रोका। स्टॉपेज टाइम में अब्दोन प्रात्स पर गार्सिया की टक्कर पर मल्लोर्का ने पेनल्टी की मांग की, लेकिन रेफरी ने खारिज कर दिया।

अब 'एल क्लासिको' पर टिकी निगाहें

बार्सिलोना के पास अब लीग में पांच मुकाबले बचे हैं, जिनमें 11 मई को रियल मैड्रिड के खिलाफ एल क्लासिको सबसे अहम होगा। इस मुकाबले से खिताब की तस्वीर और साफ हो सकती है।

आईपीएल मैचों में वाहन पार्किंग की समस्या से मीडियाकर्मी भी परेशान

लखनऊ । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के लखनऊ में हो रहे मुकाबलों में उत्तर प्रदेश क्रिकेट संघ (यूपीसीए) और पुलिस प्रशासन के बीच तालमेल के अभाव में पार्किंग की समस्या विकराल हो रही है और इससे मैच कवर करने वाले मीडियाकर्मी भी खासे परेशान हैं। लखनऊ के इकाना स्टेडियम में सात मैचों में से चार मुकाबले खेले जा चुके हैं जबकि दिल्ली और लखनऊ के बीच मैच मंगलवार को खेला गया। इसके बाद भी यहां दो और मैच खेले जाने हैं। इन मैचों को देखने को अपने निजी वाहनो से आने वाले दर्शकों को पार्किंग के लिये निर्धारित स्थान से खासी दूरी तय कर स्टेडियम तक आना पड़ रहा है जबकि इससे पहले जगह जगह डायवर्जन के कारण पार्किंग स्थल तक पहुंचने में दो से चार किमी तक की दूरी भीड़ के बीच रेंग रेंग कर तय करनी पड़ रही है।

आईपीएल 2025: दिल्ली कैपिटल्स ने लखनऊ सुपरजायंट्स को 8 विकेट से हराया

एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के इकाना स्टेडियम में खेले गए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के 40वें मैच में दिल्ली कैपिटल्स ने केएल राहुल और अभिषेक पोरेल के अर्धशतकों की मदद से लखनऊ सुपरजायंट्स को 8 विकेट से हरा दिया है।लखनऊ ने एडेन मार्करम के अर्धशतक के दम पर 20 ओवर में छह विकेट पर 159 रन बनाए, जवाब में दिल्ली ने 17.5 ओवर में दो विकेट पर 161 रन बनाकर मैच जीत लिया। दिल्ली के लिए राहुल ने 42 गेंदों पर तीन चौकों और तीन छक्कों की मदद से नाबाद 57 रन बनाए, जबकि पोरेल ने 36 गेंदों पर पांच चौकों और एक छक्के की मदद से 51 रन की पारी खेली। वहीं, कप्तान अक्षर पटेल ने 20 गेंदों पर 34 रन की दमदार पारी खेली। जबकि कुरुण नायर सिर्फ 15 रन का योगदान दे सके। लखनऊ सुपरजायंट्स के लिए दोनों

सफलताएं एडन मार्करम को मिले। इससे पहले, लखनऊ ने बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवरों में 6 विकेट के नुकसान पर 159 रन बनाए। लखनऊ के लिए एडन मारक्रम ने 52 रन और मिचेश मार्श ने 45 रन की पारी खेली। इनके अलावा, आयुष बडोनी ने 36 और डेविड मिलर ने 14 रन बनाए। शेष कोई बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा नहीं छू सका। जबकि कप्तान ऋषभ पंत एक बार फिर बल्ले से विफल रहे और बिना कोई खाता खोले पवेलियन लौटे।

दिल्ली कैपिटल्स की ओर से मुकेश कुमार ने सबसे अधिक 4 विकेट अपने नाम किए। जबकि दुष्मथ चमीरा और मिशेल स्टार्क को एक-एक सफलता मिली।

ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले अजमीना ने पिता को किया याद, बोलीं- पापा के लिए खेल रही हूं

एजेंसी

पर्थ। भारतीय महिला हॉकी टीम की युवा मिडफील्डर अजमीना कुजुर जल्द ही सीनियर टीम में डेब्यू करने जा रही हैं। उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली पांच मैचों की सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। 23 वर्षीय अजमीना ने इस मौके पर अपने पिता को याद करते हुए कहा कि वह अब अपने पिता के सपने को पूरा करने के लिए खेल रही हैं और यही उनकी सबसे बड़ी प्रेरणा है।भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच यह पांच मैचों की सीरीज 26 अप्रैल से पर्थ हॉकी स्टेडियम में शुरू होगी। इसमें भारत दो मुकाबले ऑस्ट्रेलिया 'ए' के खिलाफ और तीन मुकाबले ऑस्ट्रेलिया की सीनियर टीम के खिलाफ खेलेगा। इस दौरे के लिए अजमीना को सीनियर टीम में मौका मिला है और वे इस मौके को पूरी तरह भुनाने के लिए तैयार हैं। ऑस्ट्रेलिया पहुंचने के बाद अजमीना ने एक बयान में कहा, मैं आभारी हूं कि मुझे अब टीम में शामिल किया गया है। दो साल पहले कैंप में थी लेकिन टीम में नहीं आ पाई थी। अब जब मौका मिला है तो अपना 100 प्रतिशत दूंगी।

हालांकि, अजमीना पहली बार भारतीय सीनियर टीम के लिए फील्ड हॉकी खेलने जा रही हैं, लेकिन अंतरराष्ट्रीय मंच का अनुभव उनके पास पहले से है। 2024 में एफआईएच महिला

हॉकी5एस वर्ल्ड कप में उन्होंने भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व किया था। उस टूर्नामेंट में भारत उपविजेता रहा था। अजमीना ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन गोल किए थे। अजमीना ने बताया, हॉकी5एस वर्ल्ड कप में अमेरिका को हराना सबसे खास लम्हा था। इससे हमारा आत्मविश्वास बहुत बढ़ा, क्योंकि अमेरिका ने इससे पहले ओलंपिक क्वालिफायर में हमारी सीनियर टीम को हराया था। उस जीत से ऐसा लगा कि हमने सीनियर टीम का सम्मान वापस दिलाया।

ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले से ताल्लुक रखने वाली अजमीना 11 साल की उम्र से हॉकी खेल रही हैं। उन्होंने बताया कि उनके पिता और भाई हॉकी खेलते थे। इसी से उनका भी खेल की तरफ रुझान बढ़ा। हालांकि, कोविड-19 महामारी के दौरान 2021 में उनके पिता का निधन हो गया था। अजमीना ने भावुक होते हुए कहा, अब मैं अपने पापा के लिए खेल रही हूं। उन्हें गर्व महसूस कराने के लिए। यही मेरी सबसे बड़ी प्रेरणा है। अजमीना इस सीरीज में अपने प्रदर्शन से टीम में अपनी जगह पक्की करना चाहती हैं। उन्होंने कहा, मैं अपनी फिटनेस और मिडफील्ड में पासिंग पर खास ध्यान दे रही हूं। इस दौरे पर हर मौके को भुनाना है ताकि एफआईएच हॉकी प्रो लीग में भी टीम का हिस्सा बन सकूं।

20 साल और 10 फिल्में...

नुसरत भरुचा

100 करोड़ छापने वाली वो एक्ट्रेस, जिसे बड़ी पिक्चरों में नहीं मिल रहा काम, छलका दर्द

बॉलीवुड एक्ट्रेस नुसरत भरुचा इस वक्त अपनी फिल्म छोरी को लेकर लोगों से वाहवाही बटोर रही हैं. अपनी एक्टिंग के जरिए एक्ट्रेस ने हर बार लोगों का दिल जीता है. हाल ही में एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू के दौरान अपनी अभी तक की फिल्मी जर्नी के बारे में बात की है. नुसरत ने अपने करियर में सही मुकाम हासिल न करने पर बॉलीवुड की खामियों के बारे में बात की है. हालांकि, एक्ट्रसे ने कई सारी कमाल की फिल्मों में काम किया है.प्यार का पंचनामा, सोनू की टीटू की स्वीटी से लेकर और भी कई सारी ऐसी फिल्में हैं, जिसमें नुसरत ने कमाल की परफॉर्मेंस दी है. हालांकि, 20 सालों में भी एक्ट्रेस को वो मुकाम हासिल नहीं हो पाया है, जिसकी वो चाह रखती हैं. एक्ट्रेस ने बताया कि हिट फिल्मों के बाद बड़े बैनर के साथ काम करने के

लिए उन्हें काफी मशक्कत करना पड़ा है. अपनी बातचीत के दौरान एक्ट्रेस ने इंडस्ट्री में सेलेक्टेड टैलेंट को काम देने की तरफ भी इशारा किया है.

20 साल में की 10 फिल्में

हाल ही में नुसरत ने पिंकविला से बातचीत के दौरान कहा कि मैं 20 साल में 10 तस्वीरें ले आई, फिर भी मैं उन्हीं जगहों पर खड़ी हूं, जहां मैं पहले थी. एक्ट्रेस ने फिल्में मिलने को लेकर श्रद्धा कपूर का उदाहरण लिया और कहा कि मुझे ऐसी बड़ी फिल्में नहीं मिलती. श्रद्धा के पास हमेशा प्रोजेक्ट होते हैं और बड़े प्रोजेक्ट होते हैं. एक्ट्रेस ने डायरेक्ट तो नहीं कहा, लेकिन उन्होंने इस तरफ इशारा किया कि इंडस्ट्री में ब्रांडिंग और रिश्ते ज्यादा मायने रखते हैं.

फिल्में मिलना है मुश्किल

नुसरत ने टीवी शो के जरिए इंडस्ट्री में कदम रखा था. हालांकि, उन्हें उनकी फिल्म प्यार का पंचनामा में लोगों ने बहुत पसंद किया था. लोग के बीच पसंद बनने के बावजूद उन्हें फिल्मों के लिए मेहनत करनी पड़ी. एक्ट्रेस ने बताया कि किसी भी डायरेक्टर से मिल पाना या उनका नंबर मिलना उन लोगों के लिए काफी मुश्किल का काम है, जो कि इस इंडस्ट्री से नहीं हैं. नुसरत ने खुलासा किया कि उन्होंने कबीर खान को काम के लिए मैसेज किया था.

रिपोर्ट करें या ब्लॉक...फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट्स को लेकर सोनू निगम ने फैंस से की गुजारिश

बॉलीवुड के मशहूर सिंगर सोनू निगम ने एक से एक बेहतरीन गाने गाए हैं. उनकी आवाज का जादू आज भी फीका नहीं पड़ा है. लेकिन इस वक्त सिंगर सोनू अपने गानों की वजह से नहीं बल्कि अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए सुर्खियों का हिस्सा बने हुए हैं. सोनू निगम ने सोशल मीडिया पर चल रही धोखेबाजी को लेकर एक पोस्ट करते हुए अपने सभी फैन्स से गुजारिश की हैं कि वो इससे बचें और सावधान रहें. सिंगर के मुताबिक उनके नाम का गलत इस्तेमाल किया जा रहा है.सोनू निगम ने गंभीरता के साथ कहा है कि उनके और उनकी मैनेजमेंट टीम का खुद को सदस्य बताते हुए कुछ लोग धोखाधड़ी कर रहे हैं. सिंगर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट शेयर किया और लिखा, जरूर...मुझे पता चला है कि कोई ऑनलाइन मेरी पहचान का गलत इस्तेमाल कर रहा है. इस बात को नोट कर लें कि मेरी टीम किसी भी कारण के चलते किसी से भी संपर्क नहीं कर रही है. अगर कोई मेरी मैनेजमेंट टीम से होने का दावा करता है और आपसे कॉन्टेक्ट करता है, तो आप उससे सावधन रहें.

सिंगर ने आगे अपने पोस्ट में लिखा कि वो पिछले आठ साल से ट्वीटर या एक्स अकाउंट पर नहीं हैं. कुछ अकाउंट हैं, जिन्हें लोग मेरा समझते हैं वो किसी और के द्वारा चलाए जा रहे हैं और विवादित चीज़ें मेरे नाम से पोस्ट करते हैं. अगर आपको मेरे नाम से कोई फर्जी अकाउंट या मैसेज दिखे तो रिपोर्ट या उसे ब्लॉक करें. उन लोगों का शुक्रिया जिन्होंने मुझे इस इशू के बारे में बताया. साथ ही सोनू निगम ने अपने सभी फैन्स को थैंक्स भी कहा.

सोनू निगम से पहले मशहूर सिंगर श्रेया घोषाल का एक्स अकाउंट भी हैक हो गया था. हालांकि, श्रेया ने प्लेटफॉर्म की मदद से अपने अकाउंट को सिक्योर कर लिया था. सोनू से पहले कई सितारे इस तरह के पोस्ट शेयर कर चुके हैं. जहां सेलिब्रिटी के नाम का इस्तेमाल करते हुए लोगों से पैसे ठगे जाते हैं.

18 साल पहले आई वो फिल्म, जिसमें सलमान और गोविंदा की फीस से परेशान हो गए थे डायरेक्टर

साल 2007 में फिल्म 'पार्टनर' रिलीज हुई थी, जिसमें गोविंदा और सलमान खान लीड रोल में थे. इनकी जोड़ी को खूब पसंद किया गया और बॉक्स ऑफिस पर ये फिल्म सुपरहिट साबित हुई थी. फिल्म के सभी गाने भी हिट थे, लेकिन 'सोनी दे नखरे' में जो वाइब्स लोगों को आई उसने सभी को झूमने पर मजबूर कर दिया था. बताया जाता है कि इस गाने की शूटिंग में डेविड धवन को सबसे ज्यादा परेशानी आई थी.स्क्रीनप्ले राइटर आलोक उपाध्याय, जिन्होंने डेविड धवन के साथ कई फिल्में की हैं, उन्होंने फिल्म पार्टनर से जुड़ा अपना अनुभव शेयर किया है. इंडियन एक्सप्रेस के मुताबिक, आलोक उपाध्याय ने बताया कि सलमान खान और गोविंदा की ज्यादा फीस से डेविड धवन परेशान से हो गए थे.

'सोनी दे नखरे' की शूटिंग में आई थी मुश्किलें ?

राइटर आलोक उपाध्याय ने बताया कि किस तरह डेविड धवन शूटिंग के दौरान परेशान हो गए थे और फिर उन्होंने बाद में किस बात का ध्यान रखा था. आलोक उपाध्याय ने कहा, कमर्शियल सिनेमा के फिल्ममेकर के तौर पर डेविड धवन सभी की उम्मीदों पर खरे उतरते हैं. शूटिंग के दौरान उनके दिमाग में एडिटिंग और दूसरे पहलू जैसी चीजें भी चलती रहती थीं. वो सिनेमा के बारे में सबकुछ जानते हैं और फिल्म बनाते समय उनका लक्ष्य रहता है कि फिल्म अच्छी कमाई करे और उसे वो उसी तरह से बनाते भी हैं. लीड सितारों से उनका व्यवहार जैसा भी हो लेकिन जब वो कैमरे के सामने होते हैं तो डेविड बहुत ही स्ट्रिक्ट इंसान हैं.

आलोक उपाध्याय ने आगे कहा, आपको फिल्म पार्टनर का एक वाक्या बताता हूं, जिसमें सलमान खान और गोविंदा लीड एक्टर्स थे. फिल्म के गाने 'सोनी दे नखरे' की शूटिंग हो रही थी, और कोरियोग्राफर ने 2-3 लंबे शॉट्स लिए थे. डेविड साहब मेरे पास आए और उन्होंने कहा कि एक एक्टर ने 10 करोड़ चार्ज किए और दूसरे ने 5 करोड़ चार्ज किए हैं. ऐसे में ये 15 करोड़ खड़े हैं और इसलिए उनके सिर्फ पैर दिखाओ या इनका सिर्फ क्लोजअप ही लो.

कोरियोग्राफर से क्या बोले थे डेविड धवन ?

आलोक उपाध्याय ने आगे कहा, डेविड साहब ने कोरियोग्राफर को बुलाया और कहा-आप 50 रुपये के फूल के बर्तन, 10 रुपये की सजावट की शूटिंग कर रहे हैं. मेरी फिल्म इन चीजों से पैसा नहीं कमा पाएगी. जो 15 करोड़ के दो खड़े हैं, उनके क्लोज-अप मारो. वे दोनों कैमरे के सामने चेहरा बना सकते हैं और इसी पर पब्लिक ताली-सीटी बजाएगी, जिससे मेरी फिल्म पैसा भी कमाएगी.

श्वेता तिवारी

के BOSS से भिड़ेंगी बेटी पलक! मां को जिसने दिया मौका, उसी के लिए बन रहीं खतरा!

44 साल की श्वेता तिवारी अक्सर सुर्खियों में रहती हैं. यूं तो बहुत कम ही ऐसा होता है, जब बात उनके प्रोजेक्ट्स की हो. क्योंकि लोग उनकी फिटनेस देखकर ज्यादा इम्प्रेस रहते हैं. टीवी की पॉपुलर एक्ट्रेस लंबे वक्त से किसी शो में नहीं दिखी हैं. हालांकि, आखिरी बार वो 'सिंघम अगेन' में नजर आईं थी. अजय देवगन की टोली में एक पुलिसवाली बनी थीं, जो पूरी टीम के साथ जा जाकर केस सुलझा रही थीं. अब अपनों के खिलाफ एक्ट्रेस श्वेता तिवारी की बेटी उतर आई हैं. पलक तिवारी की 1 मई को फिल्म आ रही है, जिसमें वो भूतनी तो नहीं बन रहीं, लेकिन उनका भूतनी वाला रूप दिखा है.श्वेता तिवारी 'सिंघम अगेन' से पहले भी रोहित शेट्टी के साथ काम कर चुकी हैं. वो वेब सीरीज 'इंडियन पुलिस फोर्स' में दिखाई दी थीं. हालांकि, उसमें विवेक ओबेरॉय की पत्नी का किरदार निभाया था. लेकिन अजय देवगन ने तो उन्हें पुलिसवाली बना दिया. अब उनकी बेटी बॉस सिंघम से ही भिड़ने का प्लान कर चुकी हैं.

श्वेता तिवारी के बॉस से भिड़ेंगी उनकी बेटी

अजय देवगन की फिल्म Raid 2 1 मई को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है. फिल्म का पहला पार्ट सालों पहले आया था, जब अमय पटनायक के रोल में वो छा गए. अब एक नए ऑपरेशन के लिए अजय देवगन तैयार हो गए हैं. फिल्म का ट्रेलर काफी जबरदस्त है. पहले फिल्म का किसी से क्लैश नहीं हो रहा था. लेकिन अब उनकी संजय दत्त की फिल्म 'भूतनी' से टक्कर होने वाली है. दरअसल पहले यह फिल्म 18 अप्रैल को आने वाली थी, लेकिन आखिर में इसकी रिलीज को आगे बढ़ा दिया गया. संजय दत्त की इस फिल्म से पलक तिवारी भी वापसी कर रही हैं.

श्वेता तिवारी को 'सिंघम अगेन' में अजय देवगन ने ही बड़ा मौका दिया था. वो पिक्चर में उनके सीनियर बने थे. बॉस की बात को फॉलो करते हुए श्वेता तिवारी फिल्म में विलेन्स को ढूंढती हैं. हालांकि, उस फिल्म में स्क्रीन टाइम काफी कम था. वहीं संजय दत्त के साथ पलक हैं. देखना होगा 1 मई वाली बाजी उनकी बेटी जीतती हैं या फिर अजय देवगन की फिल्म.

पलक तिवारी के प्रोजेक्ट्स

श्वेता तिवारी की बेटी पलक ने सलमान खान की फिल्म से हिंदी डेब्यू किया था. वो 'किसी का भाई किसी की जान' में दिखी थीं. लेकिन यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर पिट गई. अब सलमान खान के भाई और दोस्त संजय दत्त की फिल्म में आ रही हैं.

आतंकी हमले के बाद देश में पाक के खिलाफ गुस्सा

पूरे देश में उबाल: जगह-जगह प्रदर्शन, लोगों ने पाकिस्तान का फूंका पुतला

दिल्ली/जोधपुर
जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के विरोध में पूरे शहर में गुस्सा दिखाई दे रहा है। इस हमले को लेकर कई संस्था-संगठनों ने निंदा कर आतंकियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की निंदा की है। शहर में कई स्थानों पर विरोध-प्रदर्शन भी किया गया। साथ ही हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि भी अर्पित की गई है। श्री महावीर शासन स्थापना महोत्सव समिति सहित कई संस्था संगठनों ने भारत सरकार से तत्काल प्रभाव से आर्तकियों को मुंहतोड़ जवाब देकर कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है।

समिति के राष्ट्रीय महामंत्री धनराज विनायकिया ने दुख जताते हुए कहा कि कश्मीर की वादियों में सैर करने निकले निर्दोष पर्यटकों को जिस बेरहमी से आतंकियों ने मौत के घाट उतारा है, वह मानवता पर किया गया सबसे कायराना हमला है। यह सिर्फ हमला नहीं था, यह भारत की आत्मा पर वार था। इस दौरान नवकार महामंत्र का स्मरण कर दिवगंतों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। भाजपा नेता अचल सिंह मेड़तिया ने कहा कि पहलगाम में पर्यटकों पर हमला आतंक का वीभत्स चेहरा है। इस घटना की कड़े शब्दों में निंदा करते हैं। जिन लोगों ने इस हमले में जन गंवाई है उनकी आत्मा की शान्ति के लिए प्रार्थना करते हैं लेकिन अब सटीक कारवाई से आतंकारियों और उनके आकाओं का नकाब उतारने

की आवश्यकता है। देश की 140 करोड़ जनता भारत के मुखिया मोदी जी के साथ है। आतंक और आतंकारियों का सर कुचल कर विश्व को कड़ा संदेश दिया जाए।

पुतला दहन कर प्रदर्शन
विश्व हिन्दू परिषद, बजरंग दल द्वारा आज शाम छह बजे जालोरी गेट चौराहा पर इस हमले के खिलाफ आतंकवाद को प्रतीकात्मक पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन किया गया। वहीं जोधपुर शहर जिला युवा कांग्रेस द्वारा शाम छह बजे शहीद स्मारक जेएनवीयू हैड ऑफिस पर कैंडल मार्च निकाला गया।

जिला अध्यक्ष योगेश कच्छवाहा ने बताया कि आतंकवादियों द्वारा भारत के स्वर्ग कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर किए गए कायराना आतंकी हमले से हम बेहद आहत है।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद घाटी में पर्यटकों की सुरक्षा के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका

नई दिल्ली
पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गई है। याचिका में केंद्र और राज्य सरकार को दिशा-निर्देश देने की मांग की गई है कि घाटी में पर्यटकों की सुरक्षा के लिए पर्याप्त कदम उठाए जाएं और सुरक्षा बलों की तैनाती की जाए। वकील विशाल तिवारी ने अपनी याचिका में कहा है कि पर्यटक स्थलों खासकर दूरदराज और पर्वतीय इलाकों में पर्याप्त चिकित्सा सुविधा स्थापित किए जाएं, ताकि किसी भी आपात स्थिति के समय तुरंत चिकित्सा उपलब्ध करायी जा सके। याचिका में कहा गया है कि उत्तर भारत के अधिकांश राज्य पर्यटन पर निर्भर हैं। इन राज्यों में गर्मी के दिनों में काफी पर्यटक पहुंचते हैं। इन राज्यों में अगर कोई आतंकी घटना घटती हैं, तो इससे अर्थव्यवस्था पर काफी बुरा प्रभाव पड़ता है।

शुभम के परिवार से मिले पुलिस कमिश्नर व डीएम

कानपुर
पहलगाम में मंगलवार को हुए आतंकी हमले में जान गंवाने वाले कारोबारी शुभम द्विवेदी की मौत से गमगीन परिजनों से मिलने बुधवार को पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार और जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह उनके आवास पहुंचे। अधिकारियों ने घटना को बेहद निंदनीय बताया और शोक व्यक्त किया। पीड़ित परिवार को ढांढस बंधाते हुए दुख की इस घड़ी में शासन और प्रशासन उनके साथ है इसका भरोसा दिलाया। जिलाधिकारी ने गमगीन परिवार को हर संभव मदद की बात कही। उन्होंने पत्रकारों को बताया कि देर रात में शुभम का पार्थिव शरीर कानपुर आने की संभावना है।पूरे सम्मान के साथ दिवंगत शुभम को अंतिम विदाई दी जाएगी, इसके लिए सभी तैयारियां कर ली गई हैं।

उल्लेखनीय है कि जम्मू कश्मीर के पहलगाम हिल स्टेशन पर मंगलवार को एक बढ़ा सुनियोजित आतंकी हमला किया गया।इसमें वहां घूमने गए पयर्टकों को आतंकियों ने निशाना बनाया और निर्मम हत्या की घटना कर दशहतगर्दी फैलाई।इस आतंकी हमले में उत्तर प्रदेश के कानपुर स्थित चकेरी श्याम नगर के ड्रीमलैंड अपार्टमेंट निवासी सीमेंट कारोबारी शुभम द्विवेदी की मौत हो गई।

आतंकियों ने नाम पूछने के बाद पत्नी के सामने ही शुभम के? सिर पर गोली मारकर हत्या कर दी थी। उनकी इसी वर्ष 12 फरवरी को शादी एशान्या के साथ हुई थी और नवदंपति समेत परिवार के 11 सदस्य जम्मू कश्मीर घूमने गए थे। बुधवार को वापसी थी, लेकिन उससे पूर्व मंगलवार को आतंकी हमले में शुभम की मौत से परिवार में मातम पसर गया है। महाराजपुर के हाथी गांव स्थित पैतृक गांव में घटना के बाद से ही रिश्तेदारों और ग्रामीणों का जमावड़ा लगा हुआ है।

जिला व पुलिस प्रशासन समेत विभिन्न दलों के नेतागण भी उनके घर पहुंचकर पीड़ित परिवार से अपनी संवेदना प्रकट कर रहे हैं।

दिल्ली में एक नवंबर से नहीं प्रवेश कर सकेंगे बीएस छह से कम मानक वाले वाणिज्यिक वाहन

नई दिल्ली
राजधानी में प्रदूषण पर लगाम लगाने के उद्देश्य से एक नवंबर से बीएस छह से कम मानक वाले ट्रकों एवं वाणिज्यिक वाहनों को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। सीएनजी, इलेक्ट्रिक और डीजल की सिर्फ बीएस-6 बसें, ट्रकों को ही प्रवेश दिया जाएगा। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने बुधवार को एक नवंबर 2025 से दिल्ली में बीएस-श्क सीएनजी, एलएनजी और आईएलवी के अलावा सभी परिवहन, वाणिज्यिक माल वाहनों जैसे एलजीवाई, एमजीवी और एचजीवी के प्रवेश पर सख्त प्रतिबंध लगाने का निर्देश दिया है। आयोग ने कहा कि सिर्फ दिल्ली में पंजीकृत बीएस 6 मानक से कम वाहनों को ही प्रवेश मिलेगा। इस निर्देश को दिल्ली से सटे सभी राज्यों को सख्ती से लागू करने को कहा गया है। बुधवार को सीएक्यूएम द्वारा दिल्ली से सट सभी राज्यों को जारी अपने निर्देश में कहा कि एक जुलाई 2025 से 10 साल से ऊपर वाली डीजल गाड़ियां और 15 साल से ऊपर वाली गाड़ियों को पेट्रोल नहीं दिया जाएगा। ईंधन पंप स्टेशनों पर स्थापित एएनपीआर कैमरों या अन्य ऐसी प्रणालियों के माध्यम से ऐसी गाड़ियों की पहचान की जाएगी और ईंधन भरने से मना कर दिया जाएगा। आयोग द्वारा जारी निर्देश में कहा गया है कि दिल्ली में ट्रकों के 126 सीमा प्रवेश बिंदुओं पर सख्ती से इस नियम को लागू किया जाएगा। इसके अलावा, एनसीआर में राष्ट्रीय राजमार्गों एवं एक्सप्रेसवे पर स्थित एनएचएआई के 52 टोल प्लाजा को वाहन डेटाबेस से जुड़े एएनपीआर कैमरे प्रदान किए गए हैं, जो विभिन्न मापदंडों के संबंध में वाहनों की पहचान करने में मदद करेंगे। बीओएल वाहनों की पहचान ' वैध पंजीकरण, फिटनेस, पीयूसी, परमिट और बीमा से किया जाएगा। यह निर्देश सर्दियों में दिल्ली एनसीआर में बढ़ते प्रदूषण से निपटने के लिए दिया गया है। सर्वोच्च न्यायालय के निदेर्शों के तहत ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (जीआईआईएपी) के तहत निदेर्शों की समय समय पर समीक्षा भी की जाती है। उल्लेखनीय है कि ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रेप) के तीसरे और चौथे चरण के प्रतिबंध लगते ही बीएस तीन मानकों वाले पेट्रोल से चलने वाले वाहन और बीएस चार मानकों वाले डीजल से चलने वाले वाहनों पर रोक लग जाती है।

राष्ट्र हित में एक देश एक चुनाव: शिवराज

नई दिल्ली
केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि विकास की क्रमिक निरंतरता सुनिश्चित करने, चुनावी व्यय को घटाने और देश के संसाधनों का राष्ट्रहित में उपयोग बढ़ाने के लिए एक राष्ट्र एक चुनाव आवश्यक है। शिवराज सिंह बुधवार को छात्र नेताओं द्वारा आरंभ किए गए एक नवीन मंच "स्टूडेंट्स फॉर वन नेशन वन इलेक्शन" के तत्वावधान में डॉ. अम्बेडकर इंटरनेशनल सेंटर में राष्ट्रीय छात्र नेता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश के 31 राज्यों के छात्र नेता दिल्ली में एकत्र हुए हैं और सभी ने संकल्प लिया है कि बार-बार चुनाव होने से देश का विकास बाधित होता है, प्रगति बाधित होती है और

जनकल्याण के कार्य प्रभावित होते हैं। इससे देश के धन और संसाधनों का दुरुपयोग होता है। इसलिए लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के आम चुनाव हर पांच साल में एक बार एक साथ होने चाहिए ताकि पांच साल के लिए चुनी गई सरकारें देश और राज्यों की प्रगति और विकास के लिए एकजुट होकर काम कर सकें। केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि पांचों साल, 12 महीने चलने वाले चुनाव हमारे देश की प्रगति और विकास में बाधा हैं। पिछले साल नवंबर-दिसंबर में मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में विधानसभा चुनाव खत्म नहीं हुए कि उसके चार माह बाद देश में लोकसभा चुनाव शुरू हो गए।

पहलगाम आतंकवादी हमले पर रॉबर्ट वाड्रा के बयान को भाजपा ने बताया शर्मनाक

नई दिल्ली
जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले में मारे गए पर्यटकों पर कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी के पति राबर्ट वाड्रा के बयान पर सियासी घमासान मच गया है। रॉबर्ट वाड्रा ने घटना में मारे गए लोगों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि यह सरकार हिंदुत्व की बात करती है और अल्पसंख्यक असहज और परेशान महसूस करते हैं। भाजपा ने इस बयान की निंदा करते हुए इसे शर्मनाक बताया है। बुधवार को भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने एक्स प्लेटफार्म पर

कहा कि अगर कोई इस तरह के इस्लामिक जिहादी हमले को निराधार तर्कों के साथ उचित ठहराने की कोशिश करता है और दावा करता है कि यह किसी कार्रवाई की प्रतिक्रिया है तो यह शर्मनाक है। इस तरह से कट्टरपंथी जिहाद और आतंकवाद को बचाने की कोशिश करने से बड़ा दुर्भाग्य कुछ और नहीं हो सकता। ऐसे समय में जब इस तरह के आतंकवादी हमलों की कड़ी निंदा की जानी चाहिए और एक स्वर में उनकी पहचान की जानी चाहिए, यह निराशाजनक है कि कुछ लोग अभी भी अतार्किक बातों के साथ पाकिस्तान प्रायोजित इस्लामिक जिहाद का बचाव कर रहे हैं। दुर्भाग्य से, कांग्रेस पार्टी और रॉबर्ट वाड्रा इस कहानी में सबसे आगे दिखाई देते हैं। शहजाद पूनावाला ने कहा कि यह सोनिया गांधी, राहुल गांधी के इशारे पर कांग्रेस पार्टी, रॉबर्ट वाड्रा द्वारा किया गया सबसे शर्मनाक, नृशंस बयान है, जो एक तरह से पाकिस्तानी आतंकवादियों का बचाव करने के लिए है। यह बयान इस्लामिक जिहाद के इस अपराध को छिपाने के लिए, उन्हें क्लीन चिट देने और हिंदुओं को दोषी ठहराने के लिए है। पुलवामा हमले के बाद, उन्होंने सुरक्षा बलों को दोषी ठहराया।

पहलगाम में आतंकी घटना की मुस्लिम संगठनों ने की कठोर शब्दों में निंदा

नई दिल्ली
पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा निर्दोष पर्यटकों के नरसंहार की चौतरफा निंदा की जा रही है। देश के बड़े मुस्लिम संगठनों ने भी इस जघन्य अपराध की निंदा करते हुए इस घटना में शामिल आतंकवादियों को कड़ी से कड़ी सजा दिए जाने की मांग की है। इसके साथ ही इन संगठनों ने इस घटना में मारे गए लोगों के परिजनों के साथ गहरी संवेदना व्यक्त की है और देश मे शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील भी की है। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने एक बयान जारी कर कहा कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम क्षेत्र में पर्यटकों पर हुए आतंकवादी हमले की बोर्ड कड़ी निंदा करता है और इस दुःखद घटना में मरने वालों और गंभीर रूप से घायल लोगों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता है। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के अध्यक्ष मौलाना खालिद सैफुल्लाह रहमानी ने कल जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की है और मांग की है कि भारत सरकार जल्द से जल्द इस घटना की जांच कराए और इसमें शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करे। मौलाना ने दुर्घटना में मरने वालों और गंभीर रूप से घायल हुए लोगों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि हमारी हार्दिक सहानुभूति आपके साथ है। इसके साथ ही मौलाना ने इस बात पर गहरी हैरानी जताई कि जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बलों की मजबूत मौजूदगी और सीमाओं पर सेना की तैनाती और सतर्कता के बावजूद ऐसी घटनाएं क्यों होती हैं। हमें उम्मीद है कि सरकार जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने पर ध्यान देगी ताकि स्थानीय लोगों और पर्यटकों की सुरक्षा का उचित प्रबंध किया जा सके।

बिहार चुनाव से पहले चुनाव आयोग दे रहा कार्यकर्ताओं और पुलिस अधिकारियों को प्रशिक्षण

नई दिल्ली
बिहार चुनावों से पहले चुनाव आयोग प्रशिक्षण पर विशेष ध्यान केन्द्रित कर रहा है। इसी क्रम में बिहार के बूथ स्तर अधिकारियों (बीएलओ) के लिए 2 दिन का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इसके साथ ही पहली बार बिहार के पुलिस नोडल अधिकारी (एसपीएनओ) और पुलिस अधिकारियों के लिए विशेष एक दिवसीय प्रशिक्षण भी आयोजित

किया गया है। दिल्ली स्थित इंडिया इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेसी एंड इलेक्शन मैनेजमेंट (आईआईआईडीईएम) में 2 दिवसीय प्रशिक्षण में बीएलओ का तीसरा बैच शामिल हुआ। 229 बीएलओ, 12 रिटर्निंग अधिकारी (ईआरओ) और 2 जिला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ) भाग ले रहे हैं। चुनाव आयोग का कहना है कि इस प्रशिक्षण का उद्देश्य चुनाव प्रबंधन को बेहतर बनाना है। यह चुनाव अधिकारियों और पुलिस के बीच समन्वय बढ़ाने में मदद करेगा। कानून और व्यवस्था, कमजोरियों का आकलन, अर्धसैनिक बलों (सीएपीएफ) की तैनाती और आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) के पालन पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद हिमाचल में हाई अलर्ट

शिमला
जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद हिमाचल प्रदेश में सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। राज्य सरकार ने एहतियातन पूरे प्रदेश में हाई अलर्ट घोषित कर दिया है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने बुधवार को प्रदेश के सभी पुलिस अधिकारियों को सीमावर्ती इलाकों पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री सुक्खू ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए इसे एक कायराना कृत्य बताया। उन्होंने कहा कि इस तरह की घटनाएं सभ्य समाज के लिए एक चुनौती हैं और इन्हें किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।

उन्होंने कहा कि देश की एकता और अखंडता को कमजोर करने की ऐसी कोशिशें कभी सफल नहीं होंगी। सीएम ने इस हमले में मारे गए निर्दोष पर्यटकों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना जताई और घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की।

यदि नशेबाजी का यही हाल रहा तो 50% नौजवानों की सारी शक्ति खत्म हो जाएगी - बाबा उमाकान्त जी महाराज

दिव्या दिल्ली : उज्जैन बाबा उमाकान्त जी महाराज ने कहा कि जिस देश की बच्चियाँ, जिनको देवियाँ कहा जाता था अब वह शराब के नशे में इधर-उधर धुत हैं। तो अब इस देश का क्या होगा? जहाँ सती हुई, सावित्री हुई, अनसुईया हुई, पार्वती हुई, सीता हुई ऐसी ही देवियों की अंश, ये शराब पीने लग गई, व्यभिचार में फंस गई। जवान लड़के शराब के नशे में धुत हैं। यही हाल अगर रहा नशेबाजी का, नशे की गोलियां खाने का और पावर वाले

लोग इस पर विचार नहीं करेंगे तो कुछ समय के बाद 50% नौजवानों की सारी शक्ति खत्म हो जाएगी, ये पागल हो जाएंगे, पागलों की तरह से घूमेंगे, और आने वाली पीढ़ी देश के विकास की जगह देश को विनाश के कगार पर ला कर खड़ा कर देगी। चाहे कोई जवान हो, चाहे अधिकारी-कर्मचारी हो, चाहे राजनेता हो, चाहे व्यापारी-मजदूर हो; कोई भी हो, तेज नशा जब कर लेगा तब वह कुछ कर पाएगा नशे में? कुछ नहीं कर सकता है।

एक गाँव के आदमी ने कहा कि हमारे गाँव के नौजवान तो बुड्ढे होते ही नहीं हैं, हमें तो बड़ी चिंता है। तो किसी ने कहा "दादा कौनसा अन्न खिलाते हो, कौनसी बूटी खिलाते हो, कौनसी दवा ऐसी चल गई कि जवान ही रहे आदमी बुड्ढा ना हो।" बोले "भैया सब शराबी निकल गए, तो कोई कट के मर जा रहा है, कोई कुचल के मर जा रहा है, कोई शराब की बोतल से ही दूसरे शराबी का सर फोड़ कर मार दे रहा है, मर जा रहा है। तो यह गाँव तो उजड़ जाएगा, कोई रह ही नहीं जाएगा, यह तो सब चले जा रहे हैं, जवान खत्म होते चले जा रहे हैं।"मुसलमानों की किताबों में लिखा है कि एक कतरा भी शराब का अगर जिस्म पर पड़ जाए तो काट कर के फेंक देना चाहिए और जो ऐसा नहीं करता है वह शरीयत व इस्लाम से अलग हो जाता है। हिंदुओं के यहां लिखा है "गंगा जल कृत बारून जाना, तदपि न सन्त करहिं तेहि पाना" चाहे गंगा जल जैसे जल में शराब बनाई गई हो तो भी नहीं पीनी चाहिए। यह बहुत ही निकृष्ट चीज है, तो शराब मत पीना। ऐसे किसी नशे का सेवन मत करना कि जिससे बुद्धि पागल हो जाए, होश में ना रह जाओ।

देश में मुस्लिमों के प्रति बढ़ रहा भेदभाव: रॉबर्ट वाड्रा

नई दिल्ली
कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी के पति और बिजनेसमैन रॉबर्ट वाड्रा ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर विवादित बयान दिया है। उन्होंने कहा कि देश में हिन्दू-मुस्लिम हो रहा है और मुसलमान असहज महसूस कर रहे हैं। यही कारण है कि आतंकियों ने आईडी देखकर हत्याएं की हैं। रॉबर्ट वाड्रा ने कहा, "मैं इस घटना की कड़ी निंदा करता हूं। किसी भी मुद्दे को उठाने का यह तरीका नहीं हो सकता कि निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाया जाए।" रॉबर्ट वाड्रा ने कहा कि जब तक हम एकजुट और धर्मनिरपेक्ष नहीं होंगे, तब तक हमारी कमजोरियां और अंदरूनी समस्याएं हमारे दुश्मनों को साफ नजर आएगी।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No DELENG/2013/54397